RNI No. MPHIN/2022/83759

दैनिक उज्जवल संदेश

राष्ट्रधर्म सर्वोपरि

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भोपाल, गुरुवार 16 अप्रैल, 2026

वर्ष-04 अंक-132 पेज-08 मूल्य-1.00/-

सुविचार

समझदारी, धैर्य और विवेक से दोस्त चुनें, क्योंकि जीवन में सबसे बड़ा धोखा वही देता है, जिस पर हम बिना सोचे-समझे भरोसा कर लेते हैं।

महिला आरक्षण बिल पर बोले पीएम मोदी

'जो विरोध करेगा, लंबे वक्त तक कीमत चुकाएगा'

- सरकार महिला आरक्षण रोकने के लिए परिसीमन बिल लाई: कांग्रेस

बीजेपी नारी को नारा बनाने की कोशिश कर रही -अखिलेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने गुरुवार को महिला आरक्षण बिल से जुड़े संशोधनों पर कहा कि हमारे देश में जब जब चुनाव आया है उसमें महिलाओं को मिलने वाले इस अधिकार का जिस-जिसने विरोध किया है। उसका हाल बुरे से बुरा किया है। कभी माफी नहीं मिली। इस अवसर को जाने न दें, इस मंथन से अमृत निकलेगा।

उन्होंने कहा कि इसलिए जिनको भी इसमें राजनीति की बू आ रही है वो खुद के परिणामों को देख लें। इसी में फायदा है जो नुकसान हो रहा है उससे बच जाओगे। इसलिए इसे राजनीतिक रंग देने की जरूरत नहीं है। इसलिए हमारी नीयत की खोट को देश की नारी शक्ति कभी माफ नहीं करेगी।

इससे पहले अखिलेश यादव ने कहा- अब भारतीय जनता पार्टी नारी को नारा बनाने की कोशिश कर रही है। जिन्होंने नारी को अपने संगठन में नहीं रखा वे उसके मान सम्मान को कैसे रखेंगे।

धर्मेंद्र जी आपका आभारी हूं... अखिलेश यादव मेरे दोस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के विशेष सत्र के दौरान केंद्र सरकार ने गुरुवार को लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पेश किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी स्पीच के दौरान अखिलेश यादव को अपना दोस्त कहा। वहीं राहुल गांधी ने केसी वेणुगोपाल से जब कहा कि आपका माइक बंद है, तो स्पीकर ने कहा- माइक सिर्फ आपका बंद होता है। उनका चालू है। इसके बाद राहुल और बिड़ला मुस्कुराने लगे। पीएम मोदी की स्पीच के दौरान सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने अपनी चेयर से खड़े होकर कहा- आप भी पिछड़ी जाती से हैं। पिछड़ों का ध्यान नहीं रखते। ये पूरा देश देख रहा है।इस पर मोदी ने कहा- धर्मेंद्र जी मैं आपका बहुत आभारी हूं कि आपने मेरी पहचान करा दी।

जिसको भी गारंटी चाहिए, वो देता हूं

अगर गांरटी शब्द चाहिए तो मैं वह शब्द भी उपयोग करता हूं, वादा की बात करते हो तो उसे भी इस्तेमाल करता हूं। तमिल में कोई शब्द हो तो मैं उसे भी कहता हूँ। क्योंकि जब नीयत साफ है तो शब्दों का खेल करने की जरूरत नहीं है। हमारे यहां परंपरा है कि अच्छे काम में किसी की नजर न लगे इसके लिए काला टीका लगाते हैं, इसलिए मैं आपका (डीएमके) धन्यवाद करता हूं। दरअसल, पीएम ने डीएमके का नाम लिए बिना जिक्र किया। डीएमके सांसद आज परिसीमन बिल का विरोध करने के लिए काले कपड़े पहनकर संसद पहुंचे थे।

एयरपोर्ट पर अकासा एयर और स्पाइसजेट के विमान टकराए

पार्किंग एरिया में हुआ हादसा, दोनों जहाजों को नुकसान लेकिन यात्री सुरक्षित

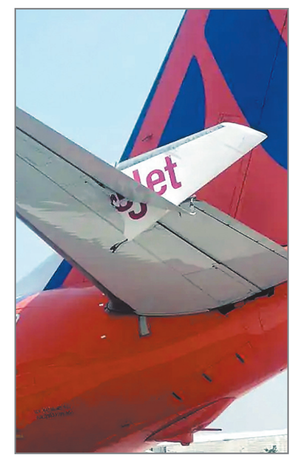

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली एयरपोर्ट पर गुरुवार को स्पाइसजेट के एक बी 737-700 विमान के साथ ग्राउंड पर हादसा हुआ। टैक्सी करते समय यह अकास एयर की फ्लाइट से टकरा गया। स्पाइसजेट के प्रवक्ता के मुताबिक, इस घटना में स्पाइसजेट विमान का राइट विंग क्षतिग्रस्त हुआ है। वहीं, दूसरे विमान के लेफ्ट हैंड हॉरिजॉन्टल स्टेबलाइजर को भी नुकसान पहुंचा है।घटना के बाद स्पाइसजेट का यह विमान दिल्ली में ही ग्राउंड कर दिया गया है। फिलहाल इसे उड़ान के लिए उपयोग में नहीं लिया जा रहा है। हमारा विमान पार्किंग एरिया में खड़ा था अकासा एयरलाइंस के प्रवक्ता ने बताया कि अकासा एयर की दिल्ली से हैदराबाद जा रही फ्लाइट क्यूपी1406 को 16 अप्रैल 2026 को वापस बे (पार्किंग एरिया) में लौटना पड़ा। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, अकासा का विमान खड़ा हुआ था तभी दूसरी एयरलाइन का विमान उससे टकरा गया। सभी यात्रियों और क्रू को सुरक्षित उतार लिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

नक्सलियों ने बारूद बिछाकर हमला किया

- झारखंड में आईईडी धमाके में इंस्पेक्टर समेत पांच जवान घायल. इलाके में अलर्ट

रांची (एजेंसी)। झारखंड के अति नक्सल प्रभावित सारंडा जंगल क्षेत्र में सुरक्षा बलों के खिलाफ एक बड़ा हमला हुआ है। मनोहरपुर प्रखंड अंतर्गत छोटानागरा थाना क्षेत्र के बालिबा गांव के पास चडराडेरा में नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी विस्फोट में पांच जवान घायल हो गए। इस घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच सर्च ऑपरेशन के दौरान मुठभेड़ हुई। इसी दौरान नक्सलियों द्वारा पहले से प्लांट किए गए आईईडी में विस्फोट हो गया। इस ब्लास्ट में कोबरा बटालियन 205 के इंस्पेक्टर सत्य प्रकाश गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि अन्य चार जवान मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से जख्मी हुए हैं।घटना की पुष्टि चाईबासा के एसपी अमित रेणु ने की है। उन्होंने बताया कि यह हमला नक्सलियों की सुनियोजित साजिश का हिस्सा प्रतीत होता है। सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया है और अतिरिक्त बलों की तैनाती की गई है। घायल जवानों को तत्काल एयरलिफ्ट कर रांची लाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। गंभीर रूप से घायल जवानों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि अन्य का इलाज स्थानीय स्तर पर किया जा रहा है।

यूपी के संभल में ईदगाह-इमामबाड़े को बुलडोजर से ढहाया

भीड़ जुटी तो अफसरों ने खदेड़ा

संभल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल में ईदगाह और इमामबाड़े पर गुरुवार सुबह 8 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक बुलडोजर की कार्रवाई चली। इसमें ईदगाह और इमामबाड़ा गिरा दिया गया। इमामबाड़े को तोड़ने के लिए चार बुलडोजर लगे। मौके पर 5 थानों की पुलिस फोर्स और एक कंपनी पीएसी तैनात रही। इसी बीच, गांव के लोग मौके पर जुट गए। विरोध की आशंका को देखते हुए अफसरों ने उन्हें वहां से खदेड़ दिया। प्रशासन के मुताबिक, करीब 7 बीघा चारागाह की जमीन पर ईदगाह और खाद गड्ढे की भूमि पर इमामबाड़ा बनाया गया था। गांव वालों की शिकायत के बाद लेखपाल स्पर्श गुप्ता ने 18 जनवरी को तहसीलदार कोर्ट में अपील दायर की थी।

एक अधिकारी, कई आरोप, विधायक और मंत्री भी लगा चुके आरोप राकेश कुर्मी पर

सतना में लॉकडाउन के दौरान सील दुकानों से कथित अवैध बिक्री पर विधायक ने उठाए थे सवाल ; अब ग्वालियर में ओवररेटिंग, खुले सेवन और अवैध अहातों की शिकायतें तेज

ग्वालियर/सतना। मध्यप्रदेश के आबकारी विभाग में एक बार फिर एक ही अधिकारी पर लग रहे गंभीर आरोप चर्चा का विषय बन गए हैं। राकेश कुर्मी का नाम पहले सतना में लॉकडाउन के दौरान सील शराब दुकानों से कथित अवैध बिक्री के मामले में सामने आया था, जहां मऊगंज विधायक प्रदीप पटेल ने उन पर ठेकेदारों के इशारे पर काम करने के आरोप लगाए थे। अब ग्वालियर में भी शराब दुकानों के बाहर खुलेआम सेवन, ओवररेटिंग और अवैध अहातों को लेकर उनका नाम शिकायतों में सामने आ रहा है।

ग्वालियर में शराब दुकानों के बाहर सड़के बनी बार गली-मोहल्लों में खुलेआम शराब का सेवन- स्थानीय नागरिकों का कहना है कि उनके घरों के पास स्थित शराब दुकानों के कारण आए दिन असामाजिक माहौल बनता है। कई रहवासियों ने फोन और वीडियो के माध्यम से शिकायत दर्ज कराते हुए मांग की है कि ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाए और दुकानों के आसपास अवैध अहातों व खुले सेवन पर रोक लगे।

आबकारी अधिकारी की मिलीभगत से ओवर रेट और अवैध अहाते संचालित - ग्वालियर में पदस्थ अधिकारी राकेश कुर्मी को लेकर भी कई तरह के आरोप चर्चा में हैं। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि ओवररेटिंग, अवैध शराब बिक्री और अवैध अहातों को संरक्षण मिलने से हालात बिगड़ रहे हैं। कुछ सूत्रों ने यह भी दावा किया है कि पूर्व में सामने आए कथित फर्जी एफडीआर मामले के दौरान भी उनका नाम चर्चा में रहा था, जिसके बाद उन्हें मुख्यालय अटैच किए जाने की बात कही गई थी। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

आने वाली तबादला सूची में विवादित अधिकारियों के नाम शामिल या नहीं ? - विभागीय गलियारों में यह चर्चा भी तेज है कि आगामी तबादला सूची में उन अधिकारियों के नाम शामिल होंगे या नहीं, जिन पर विभागीय जांच या गंभीर शिकायतें लंबित हैं। अब सबकी नजर आबकारी विभाग की अगली सूची और संभावित कार्रवाई पर टिकी हुई है।

शहर में बढ़ती शिकायतों और सामने आ रहे वीडियो के बाद बड़ा सवाल यही है कि क्या विभाग इस बार सिर्फ कागजी कार्रवाई करेगा, या फिर गली-मोहल्लों तक पहुंच चुकी इस समस्या पर ठोस कदम उठाए जाएंगे।

प्रदेश में सामाजिक समरसता बढ़ाने के लिए किए गए कई नवाचार

जनजातीय विकास की शक्ति का उपयोग, वंचितों-गरीबों की भक्ति के भाव के साथ किया जाए: राज्यपाल श्री पटेल

भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि जनजातीय विकास की शक्ति का वंचितों, गरीबों की भक्ति के भाव के साथ उपयोग करें। संवेदनशीलता और आत्मीयता के साथ किए गए कार्य ईश्वर की कृपा के भागी होते हैं। उन्होंने प्रदेश की 21 प्रतिशत आबादी के जनजातीय समुदाय के विकास के कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन की भावी रणनीति के लिए कार्यशाला आयोजन की पहल के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार ज्ञापित किया। बजट में जनजातीय विकास के लिए आवंटित राशि की स्वीकृति प्राप्त करने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि कार्यशाला के आयोजन की मंशा है कि आगे और अधिक बेहतर किया जाए। राज्यपाल श्री पटेल तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रशासन अकादमी में दीप प्रज्वलित कर तथा भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जनजातीय कार्य विकास मंत्री कुंवर विजय शाह उपस्थित थे।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि वर्तमान समय जनजातीय विकास का स्वर्ण काल कहा जा सकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय विकास की अभूतपूर्व योजनाएं, प्रधानमंत्री जनमन, धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान आदि के अभूतपूर्व कार्य हो रहे हैं। इनके लिए पर्याप्त बजट का भी प्रावधान किया गया है। आवश्यकता जनजातीय समुदाय के लिए अच्छा काम करने के मनोभाव और संवेदना की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकासखंड, तहसील वार मूलभूत सुविधाओं का मानचित्र तैयार किया जाना चाहिए। मानचित्र में आबादी में स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क आदि मूलभूत जरूरतों की उपलब्धता को अंकित किया जाना चाहिए। उसी के अनुसार जनजातीय विकास का रोड मैप तैयार किया जाना चाहिए।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि निर्धारित राशि के कार्यों के लिए वर्क आर्डर भी समय से जारी किए जाने चाहिए। जिससे राशि का समय-सीमा में उपयोग हो जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के लिए निर्धारित राशि का समय सीमा में उपयोग बड़ी जवाबदारी है। जरूरी है कि विकास के विभिन्न कार्यों की डिजाइन, गुणवत्ता और उपयोगिता के संबंध में व्यापक चिंतन और मैदानी भ्रमण के अनुभवों के आधार पर योजना बनाई जानी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी के मुख्य मंत्रित्व काल में मंत्री के रुप में कार्य के अनुभव का स्मरण करते हुए कहा कि योजनाओं का निर्माण व्यापक मैदानी भ्रमण के अनुभवों के आधार पर किया जाना चाहिए। इससे क्रियान्वयन संबंधी चुनौतियों, कठिनाईयों की अग्रिम जानकारी हो जाती है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों को समझने के लिए हितग्राहियों के साथ परस्पर और आत्मीय संबंधों के द्वारा समझने की जरूरत पर बल दिया। स्कूल ड्रॉप आउट की चुनौती का उल्लेख करते हुए कहा कि ड्राप आउट के कारणों को विभिन्न आयाम हो सकते है। पालकों के अशिक्षित होने से शिक्षा के महत्व का ज्ञान नहीं होना। पढ़ाई में बच्चे, बच्ची का कमजोर होना, विद्यालय का घर से दूर होना, रास्ता दुर्गम होना, विद्यालय में शौचालय का अभाव आदि, आवश्यकता ऐसे कारणों को समझ कर योजना बनाने की है। उन्होंने कार्यशाला की सफलता के लिए बधाई दी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में देश और प्रदेश में सभी वर्गों के विकास के लिए गतिविधियां जारी हैं। मध्यप्रदेश को राज्यपाल श्री पटेल के मार्गदर्शन में जनजातीय कल्याण के क्षेत्र में एक नई ऊर्जा और दिशा मिल रही है। जनजातीय समाज को मुख्य धारा से जोड़ने और उनके समग्र विकास के लिए राज्यपाल श्री पटेल द्वारा गुजरात में किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्री पटेल की जनजातीय समुदाय से आत्मीयता और उनकी परेशानियों को समझने की संवेदनशीलता अद्भुत है।

गाजियाबाद में 500 झुग्गियों में लगी भीषण आग

एक-एक कर फटे सिलिंडर, छह बच्चों के लापता होने की आशंका

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के कनवानी गांव में बृहस्पतिवार दोपहर करीब 12 बजे अचानक

भीषण आग लग गई। इस अग्निकांड में 500 से अधिक झुग्गियां देखते ही देखते जल उठीं। आग की लपटें इतनी विकराल थीं कि दूर से ही दिखाई दे रही थीं, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग में करीब छह बच्चों के लापता होने की बात सामने आ रही है। हालांकि किसी अधिकारी ने अभी यह पुष्टि नहीं की है। आग लगने के तुरंत बाद झुग्गियों में रखे रसोई गैस सिलिंडर एक-एक करके फटने लगे। इन धमाकों की आवाज से पूरा क्षेत्र दहल उठा और लोगों में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस बल और दमकल विभाग की कई टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने बिना देरी किए आग बुझाने का काम शुरू कर दिया था। लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। हालांकि यह जानकारी सामने आ रहा है कि कबाड़ के गोदाम में आग लगी थी, जिसके बाद यह झुग्गियों में फैलती चली गई। इस भीषण अग्निकांड से सैकड़ों परिवारों का आशियाना उजड़ गया है।

नहीं मिल रहे बच्चे, परिवार परेशान

कनवानी गांव में लगी आग के दौरान बड़ी संख्या में निवासी अपने काम पर गए हुए थे। इस दौरान कई परिवारों के छोटे बच्चे झुग्गियों में ही मौजूद थे। अचानक फैली आग की वजह से लोगों को भागने का या सामान व परिवार वालों को बचाने का बहुत कम समय मिला। वहीं कई परिवार वाले घटनास्थल के आसपास रोते बिलखते नजर आए। लोगों ने बताया कि उनके बच्चे आग लगने के बाद से लापता हैं।

पश्चिम बंगाल के लोग दिल्ली के जमींदारों को मुंहतोड़ जवाब दें: ममता

- प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के तबादले को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

कोलकाता (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के तबादले को चुनौती देने वाली याचिका

खारिज कर दी। यह तबादले भारतीय चुनाव आयोग द्वारा किए गए थे। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि इस मामले में उठाए गए कानूनी प्रश्न को फिलहाल खुला रखा जाएगा। भाजपा नेता शुवेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य में जानबूझकर 'अरबी संस्कृति' को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे सनातन विरासत कमजोर हो रही है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा बंगाल को 'बंगाली हिंदुओं की मातृभूमि' के रूप में सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

अमेरिका ने ईरान से निकल रहे 10 जहाजों को लौटाया

3 दिन में एक ने भी होर्मुज क्रॉस नहीं किया; इजराइल-लेबनान की बातचीत आज

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी सेना ने कहा है कि उसने ईरान के बंदरगाहों से निकलने की कोशिश कर रहे 10 जहाजों को वापस लौटा दिया। अमेरिकी सेना ने ईरान के समुद्री इलाके में नाकाबंदी कर रखी है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, सोमवार से शुरू हुई इस नाकाबंदी के बाद अब तक कोई भी जहाज इसे पार नहीं कर पाया है।

अमेरिका-ईरान शांति समझौते के करीब पहुंचे

अमेरिका और ईरान 21 अप्रैल को खत्म हो रहे सीजफायर से पहले समझौते के करीब पहुंच रहे हैं। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच बातचीत आगे बढ़ी है, हालांकि कुछ मतभेद अब भी बाकी हैं।इस बीच तेहरान में ईरानी अधिकारियों और पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर के बीच अहम बैठक होगी। मुनीर पहले ही ईरान पहुंचकर विदेश मंत्री अब्बास अराघची से मुलाकात कर चुके हैं और वे अमेरिकी संदेश लेकर गए हैं।पाकिस्तान, मिस्र और तुर्की मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। उधर, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर के साथ मिलकर बातचीत और ड्राफ्ट प्रस्ताव साझा कर रहे हैं।

प्रजापति समाज का बेटा बना प्रदेश टॉपर, श्लोक ने सीहोर को दिलाया गौरव, 5 छात्र मेरिट में शामिल

सीहोर। प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती, इसे सीहोर के होनहार छात्र श्लोक प्रजापति ने चरितार्थ कर दिखाया है। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित 12वीं बोर्ड परीक्षा के परिणामों में श्लोक ने विज्ञान (गणित) संकाय में 98.60 प्रतिशत अंक हासिल कर पूरे मध्य प्रदेश में प्रथम स्थान झटक लिया है। एक साधारण मजदूर परिवार से आने वाले श्लोक की इस सफलता ने साबित कर दिया कि अटूट इरादों के आगे गरीबी कभी बाधा नहीं बन सकती।

बता दें नूतन स्कूल के छात्र श्लोक के पिता विनोद प्रजापति पेशे से मजदूर हैं। दिन-रात पसीना बहाकर उन्होंने बेटे की पढ़ाई के लिए आर्थिक चुनौतियों का सामना किया। श्लोक की यह सफलता निरंतरता का परिणाम हैय इससे पहले उन्होंने 10वीं बोर्ड में भी प्रदेश में 7वां स्थान पाया था। अब श्लोक का लक्ष्य आईएएस अधिकारी बनकर समाज की सेवा करना है। श्लोक ने अपनी उपलब्धि का श्रेय माता-पिता के त्याग और शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया है।

प्रदेश की मेरिट में जिले की पंच-शक्ति- इस वर्ष राज्य की प्रावीण्य सूची (मेरिट लिस्ट) में सीहोर के कुल 5 रत्नों ने जगह बनाई है। 12वीं में श्लोक के अलावा जीव विज्ञान में प्रिंसी विश्वकर्मा 97.40 प्रतिशत ने 5वां, वाणिज्य में श्रुति मेवाड़ा 96.40 प्रतिशत ने 9वां और कला संकाय में हर्षिता जैन 96.20 प्रतिशत ने 9वां स्थान प्राप्त किया। वहीं 10वीं बोर्ड में भव्य कुशवाह 98 प्रतिशत अंक लेकर प्रदेश में 10वें स्थान पर रहे।

शिक्षा के स्तर में सुधार- जिले के 103 केंद्रों पर परीक्षा देने वाले लगभग 29 हजार छात्रों के प्रदर्शन से सीहोर का शिक्षा ग्राफ ऊपर चढ़ा है। 10वीं का रिजल्ट 84.90 प्रतिशत रहा, जिससे जिला प्रदेश में 8वें स्थान पर रहा। वहींए 12वीं में 86.47 प्रतिशत परिणाम के साथ जिले ने प्रदेश में 11वां स्थान हासिल किया। पिछले तीन वर्षों के मुकाबले अंकों के प्रतिशत में यह बड़ी बढ़ोतरी जिले की बेहतर होती शिक्षा व्यवस्था को दर्शाती है।

कलेक्टर ने दी बधाई- कलेक्टर बालागुरु के. और जिला शिक्षा अधिकारी संजय तोमर ने सभी मेधावियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। कलेक्टर ने कहा कि यह जीत उन शिक्षकों और अभिभावकों की भी है जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में इन बच्चों के सपनों को सींचा है।

किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग से मंगल सिंह उच्चारिया कृषि विस्तार अधिकारी द्वारा दीवानगंज पंचायत में नरवाई प्रबंधन के विषय में किसानों को दी गई

दीवानगंज। सांची विकासखंड के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत दीवानगंज में आयोजित ग्राम सभा में किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग विकासखण्ड सांची से मंगल सिंह उच्चारिया कृषि विस्तार अधिकारी दीवानगंज द्वारा नरवाई प्रबंधन के विषय में किसानों को विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। किसानों को बताया गया कि हैप्पी सीडर, रोटावेटर जैसी मशीनों से नरवाई को खेत में मिलाएं इससे समय की बचत और मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार होता है, बायो डीकंपोजर का प्रयोग करें खेत में छिड़काव करके नरवाई को जल्दी सड़ा कर खाद में बदलें यह सस्ता और पर्यावरण अनुकूल उपाय है,मल्चिंग अपनाएं नरवाई को खेत में बिछाकर नमी बनाए रखें। खरपतवार नियंत्रण में भी मदद मिलती है,कम्पोस्ट खाद बनाएं,नरवाई से जैविक खाद तैयार कर सकते हैं इससे उत्पादन लागत कम होती है,पशु चारे के रूप में उपयोग गेहूं, चना आदि की नरवाई पशुओं के लिए उपयोगी होती है।

डॉ प्रभात पांडेय ने शासकीय महाविद्यालय शमशाबाद में प्राचार्य का पदभार ग्रहण किया

विदिशा। शासकीय महाविद्यालय शमशाबाद जिला विदिशा में डॉ प्रभात पांडेय ने वरिष्ठता के आधार पर प्राचार्य का पदभार ग्रहण किया ज्ञात हो कि डॉ प्रभात पांडेय इंडियन लाइब्रेरी एसोसिएशन के उपाध्यक्ष हैं एवं डॉ पांडेय ने 15 पुस्तकें एवं 100 से अधिक शोध पत्र आलेख लिखे हैं साथ ही डॉ पांडेय बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं उन्होंने क?ई फिल्मों और नाटकों का लेखन निर्देशन भी किया है डॉ प्रभात पांडेय को विभिन्न राष्टीय अंतरराष्टीय पुरस्कारों से नवाजा गया है डॉ पांडेय के पदभार ग्रहण करने पर स्थानीय नागरिकों ने खुशी व्यक्त की है

भीमपुर सीएचसी का कलेक्टर ने किया निरीक्षण, संतोषजनक मिली व्यवस्थाएं

बैतूल। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भीमपुर का बुधवार को जिला कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवाने ने निरीक्षण किया। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. दीपक निगवाल ने बताया कि निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने प्रसव कक्ष का जायजा लिया, जहां सभी दस्तावेज और गतिविधियां संतोषजनक पाई गई। इस दौरान एकलम्सिया के प्रबंधन की जानकारी भी ली गई। इसके बाद कलेक्टर ने एनआरसी वार्ड का निरीक्षण कर भर्ती

माताओं से चर्चा की और स्वास्थ्य सेवाओं का फीडबैक लिया। माताओं ने सेवाओं पर संतुष्टि जताई। एनआरसी में भर्ती कुमारी नव्या का स्टाफ द्वारा पुनः वजन किया गया और केस हिस्ट्री ली गई। यहां पदस्थ एएनएम ने सभी सवालों के संतोषजनक जवाब दिए। निरीक्षण के दौरान केएमसी वार्ड, दवाई वितरण कक्ष, पैथोलॉजी कक्ष, ब्लड स्टोरेज कक्ष और ओपीडी का भी अवलोकन किया गया। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, अपर कलेक्टर, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. प्रांजल उपाध्याय, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व भैंसदेही, जनपद पंचायत भीमपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी सहित बीईई, बीपीएम, बीसीएम और स्वास्थ्य केंद्र का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

बैतूल कलेक्टर सहाब भीषण गर्मी में खुले स्कूलः बैतूल में निजी स्कूलों की लापरवाही, बच्चों के स्वास्थ्य से खिलवाड़

बैतूल। जिले में इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी और लू के प्रकोप के बीच निजी स्कूल लिटिल फ्लावर द्वारा लगातार कक्षाएं संचालित किए जाने का मामला सामने आया है। जहां एक ओर तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है, वहीं दूसरी ओर छोटे-छोटे बच्चों को तेज धूप और गर्म हवाओं के बीच स्कूल आने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, बैतूल जिले के कई निजी विद्यालयों में न तो पर्याप्त ठंडे पेयजल की व्यवस्था है और न ही कक्षाओं में कूलर या अन्य शीतलन साधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। ऐसे में बच्चों को घंटों गर्म वातावरण में बैठना पड़ रहा है, जिससे उनके स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ने की आशंका बनी हुई है। अभिभावकों का कहना है कि वर्तमान मौसम में बच्चों को स्कूल भेजना खतरे से खाली नहीं है। तेज धूप के कारण बच्चों को लू लगने, डिहाइड्रेशन, चक्कर आना और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसके बावजूद कई निजी स्कूल प्रशासन द्वारा स्थिति की गंभीरता को नजरअंदाज किया जा रहा है। कुछ अभिभावकों ने आरोप लगाया है कि निजी स्कूल केवल आर्थिक लाभ को ध्यान में रखते हुए बच्चों की सुरक्षा की अनदेखी कर रहे हैं। पलक लोक घंटे तक के धूप में खड़े रहते हैं ना ही किसी प्रकार छायादार सेट बना हुआ है तपती धूप में खड़े होकर करते हैं बच्चों का स्कूल छूटने का इंतजार उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे स्कूलों पर तत्काल कार्रवाई की जाए और गर्मी को देखते हुए अवकाश घोषित किया जाए या स्कूल के समय में बदलाव किया जाए। स्थानीय नागरिकों और अभिभावकों ने जिला प्रशासन से अपील की है कि इस गंभीर विषय पर तत्काल संज्ञान लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। साथ ही, स्कूलों का निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया जाए कि वहां बच्चों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों।

अब देखना यह है कि जिला प्रशासन इस मुद्दे पर कितनी जल्द कार्रवाई करता है और बच्चों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को लेकर क्या कदम उठाए जाते हैं।

सेक्टर क्रमांक 5 दीवानगंज की नवांकुर संस्था रेखा शिक्षा जन कल्याण समिति द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्वाल बाबा जल झिरनिया जलाशय में साफ सफाई की गई

दीवानगंज। बुधवार को मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड सांची सांची के सेक्टर क्रमांक 5 दीवानगंज की नवांकुर संस्था रेखा शिक्षा जन कल्याण समिति द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्वाल बाबा जल झिरनिया जलाशय में साफ सफाई कर जलसंरक्षण की समिति सदस्य पदाधिकारी ग्रामीणो को जलसंरक्षण की शपथ दिलायी गई। उपरांत पक्षियों के पानी पीने के जल पात्र टांगें गए। जल मंदिर प्याऊ नर्सरी का अवलोकन जिला समन्वयक द्वारा किया गया। इस अवसर पर विकासखण्ड समन्वयक आनंद कुमार नेमा नवांकुर संस्था प्रतिनिधि मनोहर पाल मेंटर श्रवण शर्मा प्रस्फुटन समिति से सरदार सिंह, फूल सिंह, कुंवर सिंह, मोतीलाल, अंकित, नारायण सिंह पाल ,रवि श्याम ,गोविंद, गौरव ललित, सुंदर ,हर गोविंद आदि उपस्थित रहे।

अटल पार्क में 120 पौधे लगाए, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

सीहोर। पर्यावरण संरक्षण के लिए शहर के वार्ड क्रमांक 1 स्थित अटल पार्क में करीब 120 पौधे लगाए गए। यह पौधारोपण कार्यक्रम विधायक सुदेश राय के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

इस मौके पर विधायक सुदेश राय ने कहा कि हर व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा जरूर लगाना चाहिए। पेड़-पौधे पर्यावरण को शुद्ध रखते हैं और हमें स्वच्छ हवा प्रदान करते हैं, इसलिए अधिक से अधिक पौधारोपण करना जरूरी है। उन्होंने पार्षद प्रतिनिधि राहुल राय के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि पौधों के संरक्षण के लिए पानी और अन्य व्यवस्थाएं भी की गई हैं, जिससे ये पौधे अच्छे से विकसित हो सकेंगे। कार्यक्रम में समाजसेवी अरुणा राय ने भी लोगों से अपने क्षेत्र में पौधारोपण के साथ-साथ साफ-सफाई बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे हमारे जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं और हमें उनका संरक्षण करना चाहिए। इस दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे और सभी ने पर्यावरण को बचाने का संकल्प लिया।

गरीबों के लिए संजीवनी बनेगी निशुल्क एम्बुलेंस सेवा -पांसे

अंबेडकर जयंती पर सेवा का लोकार्पण

बैतूल। सारनी के शॉपिंग सेंटर में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा का लोकार्पण किया गया। इस मौके पर पूर्व कैबिनेट मंत्री सुखदेव पांसे ने कहा कि यह सेवा गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए संजीवनी साबित होगी।

उन्होंने कहा कि देश के सबसे बड़े लोकतंत्र की मजबूत नींव डॉ. भीमराव अंबेडकर ने रखी, जिन्होंने संविधान के माध्यम से विभिन्न वर्गों, जातियों और धर्मों को एक सूत्र में बांधा। पांसे ने खिदमत-ए-ख़ल्क वेलफेयर सोसायटी द्वारा शेख नईम मंसूरी, शेख जावेद उर्फ पंचू खान और इशरत बी द्वारा अपने पिता की स्मृति में शुरू की गई इस पहल को इंसानियत की मिसाल बताया।

उन्होंने कहा कि आज के समय में जहां लोग संपत्ति अर्जित करने में लगे हैं, वहीं कुछ लोग अपनी कमाई को समाजसेवा में लगाकर उदाहरण पेश कर रहे हैं। आदिवासी क्षेत्र की समस्याओं का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि कई गरीब परिवार इलाज के लिए अपनी संपत्ति तक गिरवी रख देते हैं और कई बार शव को घर लाने तक के लिए संसाधन नहीं होते। ऐसे में यह एम्बुलेंस सेवा बड़ी राहत देगी। पांसे ने संविधान के प्रति जागरूकता की जरूरत बताते हुए कहा कि कुछ ताकतें इससे छेड़छाड़ की कोशिश कर रही हैं, लेकिन जनता की जागरूकता उन्हें सफल नहीं होने देगी। उन्होंने शिक्षा को तरक्की की कुंजी बताते हुए समाज से इसे अपनाने की अपील की। कार्यक्रम में धार्मिक सौहार्द भी देखने को मिला। शिव कल्याण ईश्वर मंदिर के पंडित संतोष शर्मा और गुरुद्वारे के ज्ञानी जी की उपस्थिति ने गंगा-जमुनी तहजीब का संदेश दिया। अंत में मुख्य अतिथि ने एम्बुलेंस का लोकार्पण किया।

यातायात नियमों का उल्लंघन कर चलने वाले वाहन चालकों पर चालानी कार्यवाही

जिले में बढ़ रहीं सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए,

सीहोर। पुलिस अधीक्षक सीहोर श्री दीपक कुमार शुक्ला के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती सुनीता रावत और नगर पुलिस अधीक्षक डाँ.अभिनंदना शर्मा के मार्गदर्शन में यातायात प्रभारी

सूबेदार श्री बृजमोहन धाकड के नेतृत्व में यातायात पुलिस सीहोर द्वारा वाहन चेकिंग के दौरान 16 वाहन चालक यातायात नियमों का उल्लंघन कर वाहन चला रहे थे, ऐसे वाहन चालकों पर चालानी कार्यवाही कर ?25000/- समन शुल्क वसूल किया, इनमे से एक वाहन चालक अपने यान में परिवर्तन कर डीजे का संचालन कर रहा था उस पर मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 52/182 (यान में परिवर्तन) के अंतर्गत ?5000/- का चालान किया व ट्रक टेंकर चलाक बिना परमिट के वाहन चला रहा था उस पर 66/192 स्व्क्ष् ङ्ख्प्ल के तहत ?10000/- का चालान किया। यातायात नियमों का पालन न करने वाले वाहन चालकों पर चालानी कार्यवाही जारी रहेगी यातायात पुलिस सीहोर की सभी वाहन चालकों से अपील है, वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करें। जिससे सड़क दुर्घटना से बचा जा सके।

शत प्रतिशत परिणाम के साथ सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल ने मारी बाजी

81 में से सभी विद्यार्थी हुए उत्तीर्ण, स्कूल प्रबंधन ने दी बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं

बैतूल। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित कक्षा 10वीं हाई स्कूल परीक्षा परिणाम में जिले के अग्रणी सीबीएसई स्कूल सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। स्कूल का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। परीक्षा में शामिल सभी 81 छात्र-छात्राएं सफल रहे।

ARPIT KHANDELWAL | AKSHARA SRIVASTAV | BRAJAKSHAY PANDE | SARTHAK | YATHARTH PANDAGRE | AARUSH SAHU | VEDIKA GOCHARE | ARPAN KHANDELWAL

परिणाम में अर्पित खंडेलवाल ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं ब्रज अक्षय पांडे और अक्षरा श्रीवास्तव ने 96 प्रतिशत अंक लेकर संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त किया। सार्थक ने 95 प्रतिशत अंक के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इसी क्रम में यथार्थ पंडागरे ने 94 प्रतिशत अंक हासिल किए, जबकि आरुष साहु और वैदिका गोचरे ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर क्रमशः चौथा और पांचवां स्थान प्राप्त किया।

सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर श्रीमती दीपाली निलय डागा और प्राचार्या डॉ. ऋतु वाजपेयी सहित पूरे सतपुड़ा वैली परिवार ने सभी छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

चोपना में पाढर अस्पताल ने लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

विधायक गंगा सज्जन सिंह उइके के मार्गदर्शन में हुआ शुभारंभ, मेडिकल सुपरिटेंडेंट व डिप्टी सुपरिटेंडेंट की रही अहम भूमिका

बैतूल। चोपना क्षेत्र में पाढर अस्पताल द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक श्रीमती गंगा सज्जन सिंह उइके द्वारा किया गया। पाढर अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ राजीव चौधरी और डिप्टी मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. आशीष विक्टर चौधरी के विशेष मार्गदर्शन में अनुभवी और विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने शिविर में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की। इसमें जनरल सर्जन डॉ. राहुल अनुपम अल्फियस, ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. थॉमस भानु कुरियन, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. पामुला शोभरानी, मेडिकल ऑफिसर डॉ. निर्मित एंड्रयू चौधरी, डॉ. पीटर शैली और रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. फ्रेजर बोरजियो शामिल रहे। सभी विशेषज्ञों ने ग्रामीणों की विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं की

जांच कर आवश्यक परामर्श व उपचार प्रदान किया।

शिविर में सामान्य सर्जरी से संबंधित परामर्श के साथ-साथ मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष ध्यान दिया गया, जिससे महिलाओं और बच्चों को बड़ी राहत मिली। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने शिविर का लाभ उठाया और मरीजों को प्राथमिक जांच, दवाइयां व स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन निःशुल्क उपलब्ध कराया गया। डॉक्टरों ने लोगों को बीमारियों से बचाव, स्वच्छता और नियमित जांच के महत्व के प्रति भी जागरूक किया। आयोजन के दौरान विधायक श्रीमती गंगा सज्जन सिंह उइके के मार्गदर्शन को सराहा गया और स्थानीय लोगों ने उनके सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। पाढर अस्पताल द्वारा आयोजित यह शिविर ग्रामीणों के लिए लाभकारी साबित हुआ और इसे क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की आवश्यकता पर जोर दिया गया, ताकि हर व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच सकें।

भोपाल में पड़ोसी से विवाद के बाद पुलिस से परेशान हो गया था युवक, खुदकुशी से पहले वीडियो बनाकर बताया अपना दर्द

भोपाल, नप्र। भोपाल के चूनाभट्टी थाना क्षेत्र में पड़ोसी से विवाद के बाद एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। खुदकुशी से पहले युवक ने एक वीडियो बनाकर पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए। मृतक का दावा था कि पुलिस ने निष्पक्ष जांच करने के बजाय उसके खिलाफ गलत कार्रवाई की, जिससे वह आहत था। पुलिस ने केस दर्ज कर वीडियो को जांच में शामिल कर लिया है और मामले की पड़ताल शुरू कर दी है।

संवेदनशील निर्णय: 2982 डाटा एंट्री ऑपरेटरों का लंबित वेतन भुगतान सुनिश्चित

भोपाल, नप्र। कर्मचारी हितों के प्रति समर्पित सोच रखने वाले नवनियुक्त आयुक्त श्री अभिषेक सिंह द्वारा आउटसोर्स में कार्यरत 2982 डाटा एंट्री ऑपरेटरों के विगत तीन से चार माह से लंबित वेतन भुगतान को सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं।

यह निर्णय उन तत्वों के लिए एक सख्त संदेश है, जो मेहनतकश कर्मचारियों को अनावश्यक रूप से प्रताड़ित कर शासकीय कार्यों में बाधा उत्पन्न करते हैं। आयुक्त महोदय के नेतृत्व में लोक शिक्षण संचालनालय के वित्त कक्ष के उपसंचालक श्री अमित श्रीवास्तव एवं उनकी पूरी टीम ने अवकाश के दिनों में भी निरंतर परिश्रम करते हुए प्रदेशभर में समन्वय स्थापित कर इस महत्वपूर्ण भुगतान प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूर्ण कराया है। यह पूरी टीम बधाई की पात्र है।मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री श्री जितेंद्र सिंह राजपूत जी के भागीरथी प्रयासों का भी इस पूरी प्रक्रिया में विशेष योगदान रहा है, जिनके सतत प्रयासों से कर्मचारियों को उनका अधिकार प्राप्त हुआ। इस सराहनीय कार्य के लिए आयुक्त लोक शिक्षण, वित्त कक्ष की संपूर्ण टीम एवं राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया जाता है।

ईमानदार अधिकारियों पर दबाव बर्दाश्त नहीं, संगठन करेगा विरोध: तिवारी

भोपाल, नप्र। पन्ना जिला सहित प्रदेश के अन्य जिलों में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों पर अनावश्यक दबाव बनाए जाने को लेकर सवर्ण अधिकारी एवं कर्मचारी संगठन ने कड़ा रुख अपनाया है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर अजय तिवारी ने बयान जारी करते हुए कहा कि यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी ईमानदारी से कार्य कर रहा है और उसे बिना जांच के गलत आरोपों के आधार पर हटाने का प्रयास किया जाता है, तो संगठन इसका मजबूती से विरोध करेगा।उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी-कर्मचारी लोकसेवक जरूर हैं, लेकिन उनका भी स्वाभिमान है। यदि कोई कर्मचारी दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए, लेकिन यदि वह सही है तो उसे अनावश्यक रूप से प्रताड़ित करना उचित नहीं है।अजय तिवारी ने जनमानस और देश के चौथे स्तंभ मीडिया से भी अपील की कि वे निष्पक्ष और ईमानदार अधिकारियों-कर्मचारियों का साथ देते रहें, जैसा कि अब तक करते आए हैं।

अपहृत बालिका को 24 घण्टे के भीतर सकुशल दस्तयाव कर माँ को सुपुर्द किया

भोपाल, नप्र। फरियादिया नीलम (परिवर्तित नाम) उम्र 32 साल द्वारा थाना पर आकर सूचना दी कि वह भोपाल स्टेशन के सामने स्थित होटल दिलबहार पर काम करती है। उसकी वर्ष 2010 में शादी हुई थी उसके पति से वह अलग रह रही है। एक से डेढ़ साल पहले शंकर राजपूत निवासी सीतापुर उत्तर प्रदेश से स्टेशन पर काम करने के दौरान हुई थी। आरोपी वर्तमान में लालघाटी भोपाल के एक होटल पर काम करता है। जिसके बाद दोनो लिव इन पार्टनर के रूप में द्वारका नगर थाना स्टेशन बजरिया क्षेत्र में किराये से रहने लगे आरोपी अपनी प्रेमिका पर चरित्र शक करता था। जिससे सनक में आकर असकी 06 साल की बेटी को बहला फुसला कर भोपाल से प्रतापगढ़ एक्सप्रेस में सवार होकर अपने घर सीतापुर जा रहा था। फरियादिया की रिपोर्ट पर थाना स्टेशन बजरिया पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए मोबाईल की लोकेश ली गई जो किसी चलती ट्रेन में ललितपुर के पास आई बाद ट्रेन का पता किया गया जो ट्रेन प्रतापगढ़ एक्सप्रेस होना पई गई। आरोपी का फोटो व अपहृत बालिका का फोटो जीआरपी कन्ट्रोल रूम की मदद से ललितपुर,झांसी,उरई जीआरपी थानों की दी गई। जब ट्रेन उरई स्टेशन पर पहुँची तो जीआरपी उरई द्वारा हुलिये के आधार पर आरोपी को अभिरक्षा में लेकर बालिका को सकुशल थाना जीआरपी उरई लेकर पहुँची। जीआरपी थाना उरई पहुँचकर स्टेशन बजरिया पुलिस ने बच्ची को दस्तयाव कर सकुशल माँ को सुपुर्द किया तथा आरोपी को पुलिस थाना स्टेशन बजरिया लेकर आई है।

बोर्ड परीक्षाओं की टॉपर अथवा 95% से ज्यादा अंक प्राप्त करने वाली चित्रांश प्रतिभाओं को कायस्थम ने दी बधाई

भोपाल, नप्र। कायस्थम मध्यप्रदेश ने माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं तथा सीबीएसई की दसवीं की बोर्ड परीक्षा की मेरिट में लिस्ट में शामिल अथवा 95% से अधिक अंक अर्जित करने वाले प्रतिभाशाली चित्रांश छात्र-छात्राओं को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। सीबीएसई द्वारा घोषित दसवीं बोर्ड परीक्षा में कायस्थ कुल के जिन छात्र - छात्राओं ने उपलब्धि हासिल की है, उनमें दिया सक्सेना 99.2 % सेंट जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल भोपाल,अनिका सक्सेना पिता श्री संजीव सक्सेना(ऋक्र भोपाल में सीनियर साइंटिस्ट) सेंट जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल अरेरा कालोनी भोपाल 98.2% ,आर्यश श्रीवास्तव सिल्वर बेल्स कॉन्वेंट स्कूल ने 95.4% और शैफाली सिन्हा सागर पब्लिक स्कूल कटारा एक्सटेंशन भोपाल ने 97.6% अंक प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

बदलेगा सत्ता का समीकरण, 29 से बढ़कर 43 हो जाएंगी लोकसभा की सीटें, विधानसभा की सीटें भी बढ़ेंगी

भोपाल, नप्र। संसद और विधानसभा में महिला आरक्षण लागू करने के लिए 131वां संविधान संशोधन विधेयक लाया जा रहा है। इसके बाद मध्य प्रदेश में भी लोकसभा सीटों की संख्या बढ़कर 43 हो जाएंगी। अभी 29 सीटें हैं, जिनमें छह महिला सदस्य हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के प्रभावी होने के बाद महिलाओं के लिए 14 सीटें आरक्षित की जाएंगी।

परिसीमन का यही फॉर्मूला विधानसभा के लिए भी रहता है तो 230 सदस्यीय विधानसभा 345 की हो जाएगी। संसदीय कार्य विभाग और विधानसभा सचिवालय के अधिकारियों का कहना है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत स्थान सुरक्षित रखने का प्रविधान है। इसे 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले लागू करना है तो परिसीमन करना होगा। चूंकि, जनगणना का काम अभी पूरा नहीं हुआ है इसलिए 2011 की जनगणना को आधार बनाया जाएगा। इसके लिए परिसीमन विधेयक प्रस्तुत होगा। प्रस्ताव के अनुसार राज्यों में लोकसभा की सीटों में 50 प्रतिशत की वृद्धि होगी। इस हिसाब से प्रदेश में लोकसभा की सीटें 29 से बढ़कर 43 हो जाएंगी।

इनमें 33 प्रतिशत महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। जितनी सीटें बढ़ेंगी, उतनी संख्या में महिला आरक्षण रहेगा। अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के लिए सुरक्षित सीटों में ही महिला आरक्षण का कोटा रहेगा। 33 प्रतिशत महिला आरक्षण के साथ अगले लोकसभा चुनाव कराए जाएंगे।

महिला नेतृत्व तैयार करेगी भाजपा

कांग्रेस नारी शक्ति वंदन अधिनियम की रोशनी में अब भाजपा और कांग्रेस मध्य प्रदेश में नया महिला नेतृत्व तैयार करेगी। कांग्रेस में इसकी जिम्मेदारी महिला कांग्रेस को सौंपी जा रही है। 17 अप्रैल को प्रदेश इकाई की बैठक भी बुलाई गई है, जिसमें संगठन के विस्तार के साथ नया नेतृत्व तैयार करने पर चर्चा होगी। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस ने नया महिला नेतृत्व तैयार करने की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी है। प्रदेश इकाई का अध्यक्ष रीना बौरासी सेतिया को बनाकर इसके संकेत भी दिए जा चुके हैं। और ब्लॉक इकाइयों में भी नई टीम तैयार की जा रही है। उधर, भाजपा भी इसकी तैयारियों में जुटी है। महिला मोर्चा में नए चेहरों को स्थान दिया ही गया है। भाजपा संगठन और अन्य मोर्चा– प्रकोष्ठों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ा रही है। राज्य स्तर में कम से कम 30 प्रतिशत लेकर बूथ समितियों में कम से कम तीन महिलाओं को शामिल करना अनिवार्य किया गया है।

महिलाओं के सामने पेशाब करते थे बाप-बेटे, विरोध किया तो पीटा और दी जान से मारने की धमकी

भोपाल, नप्र। शाहजहांनाबाद इलाके में युवती और महिलाओं के साथ बाप-बेटों द्वारा अश्लील हरकतें करने और विरोध करने पर मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता का आरोप है कि पड़ोस में रहने वाले वृद्ध और उसके तीन बेटे उसे व पड़ोस में रहने वाली अन्य महिलाओं को देखकर उनके सामने ही पेशाब करते हैं। जब उसके द्वारा उनकी इस हरकत का विरोध किया तो उन्होंने गाली-गलौज कर मारपीट की।

पुलिस ने आरोपियों को नोटिस देकर छोड़ा: उधर जब पीड़िता न्याय के लिए शाहजहांनाबाद थाने पहुंची तो पुलिस ने आरोपित बाप-बेटों को नोटिस देकर छोड़ दिया। पुलिस के अनुसार 28 वर्षीय युवती, किराना दुकान चलाती है। युवती ने शिकायत में बताया कि उनके पड़ोस में रहने वाला परवेज लंबे समय से उनके घर के पास खुलेआम अश्लील हरकतें करता था। कई बार मना करने के बावजूद वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा था। वह खुलेआम महिलाओं के सामने पेशाब करता है, जिससे महिलाओं को शर्मिंदगी झेलनी पड़ती है।

आरोपियों ने दी जान से मारने की धमकी: बुधवार दोपहर को पीड़िता अपनी मौसी की बेटी के घर जा रही थी, तभी आरोपित परवेज ने उनके सामने अश्लील हरकत शुरू कर दी। विरोध करने पर उसने गाली-गलौच शुरू कर दी। इसी दौरान उसके बेटे आसिफ, अरबाज और शादाब भी मौके पर पहुंच गए और महिला के साथ बदसलूकी करने लगे। आरोपितों ने न सिर्फ अश्लील टिप्पणियां कीं, बल्कि धमकी दी कि दोबारा रोकने पर जान से खत्म कर देंगे। विवाद बढ़ने पर आसिफ ने पत्थर उठाकर हमला करने की कोशिश की। बचाव के दौरान धक्का-मुक्की में महिला को कंधे और पैर में चोट आई हैं। हंगामा सुनकर आसपास की महिलाएं और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे।

सेंट टेरेसा गर्ल्स स्कूल का शानदार परिणाम 99% पास प्रतिशत के साथ रचा इतिहास

भोपाल। सेंट टेरेसा गर्ल्स स्कूल, पिपलानी ने सीबीएसई कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा 2026 में एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 99 प्रतिशत परिणाम हासिल कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। 15 अप्रैल को घोषित हुए परीक्षा परिणाम में विद्यालय की छात्राओं ने अनुशासन, उत्कृष्टता और नैतिक मूल्यों की परंपरा को कायम रखते हुए शानदार सफलता प्राप्त की।

टॉपर्स ने बढ़ाया मान– विद्यालय की छात्रा तन्वी रघुवंशी ने 99.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं भूमि सरगैयान 98.4 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय और हितांशी शर्मा 97.0 प्रतिशत अंक लेकर तृतीय स्थान पर रहीं।

90% से अधिक अंक लाने वाली 35 छात्राएं– इस वर्ष कुल 35 छात्राओं ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए, जो विद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली और मूल्य-आधारित शिक्षण का प्रमाण है। विद्यालय की प्राचार्य सिस्टर शांता मिंज ने इस सफलता का श्रेय छात्राओं की मेहनत, शिक्षकों की समर्पण भावना, प्रबंधन के मार्गदर्शन, स्टाफ के सहयोग और अभिभावकों के सतत समर्थन को दिया। सेंट टेरेसा गर्ल्स स्कूल, पिपलानी लगातार सशक्त नारी निर्माण की अपनी समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाते हुए शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है।

नरेला की बेटी हिमांशी ने रचा इतिहास

मंत्री विश्वास सारंग ने घर पहुंचकर बढ़ाया हौसला, लैपटॉप देने का किया वादा

भोपाल, नप्र। नरेला विधानसभा क्षेत्र की प्रतिभाशाली छात्रा हिमांशी धाकड़ ने एमपी बोर्ड की 10वीं परीक्षा में 99.4% अंक अर्जित कर प्रदेश में तृतीय एवं भोपाल में प्रथम स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस ऐतिहासिक सफलता पर मध्य प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग स्वयं उनके निवास, ऐशबाग पहुँचे और बेटी को शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया। मंत्री श्री सारंग ने इस अवसर पर कहा कि हिमांशी की यह उपलब्धि केवल उनके परिवार के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे नरेला और भोपाल के लिए गर्व का विषय है। यह सफलता उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और अटूट आत्मविश्वास का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि बेटियां आज हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रही हैं और हिमांशी जैसी प्रतिभाएं समाज के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। इस दौरान मंत्री श्री सारंग ने हिमांशी को प्रोत्साहित करते हुए एक लैपटॉप भेंट करने का वादा किया, ताकि वह अपनी आगे की पढ़ाई को और बेहतर तरीके से जारी रख सके। साथ ही, जब हिमांशी ने अपने यूपीएससी की तैयारी करने के लक्ष्य के बारे में

बताया, तो मंत्री जी ने उसे हर संभव सहयोग देने का आश्वासन भी दिया। हिमांशी धाकड़, जो कि Brilliant Convent Higher Secondary School की छात्रा हैं, ने अपनी इस सफलता से यह सिद्ध कर दिया है कि लगन और परिश्रम के बल पर कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। मंत्री श्री सारंग ने अपने संदेश में कहा कि हिमांशी का यह प्रेरणादायक सफर प्रदेश की लाखों बेटियों के लिए एक मार्गदर्शन है। उन्होंने विश्वास जताया कि वह इसी प्रकार निरंतर मेहनत करती रहेंगी और भविष्य में देश-प्रदेश का नाम और अधिक ऊंचाइयों तक ले जाएंगी। इस अवसर पर परिजनों एवं स्थानीय नागरिकों ने भी मंत्री जी का स्वागत किया और हिमांशी की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

लूट करके फरार हुये 04 आरोपीगणो को किया गिरफ्तार

भोपाल, नप्र। पुलिस आयुक्त श्री संजय कुमार (भा.पु.से.), अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, श्री अवधेश कुमार गोस्वामी (भा.पु.से.) के मार्गदर्शन एवं पुलिस उपायुक्त क्राइम श्री अखिल पटेल(भा.पु.से.), एवं पुलिस उपायुक्त जोन 03 श्री मयूर खंडेलवाल(भा.पु.से.), अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त क्राइम श्री शैलेन्द्र सिंह चौहान के पर्यवेक्षण मे अलग अलग 10 टीमे लूट के अपराधियो की धडपकड के लिये लगाई गई, इन टीमो का जमीनी स्तर पर नेतृत्व

सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली श्री चन्द्रशेखर पाण्डेय, सहायक पुलिस आयुक्त हनुमानगंज राकेश सिंह बघेल, सहायक पुलिस आयुक्त क्राइम ब्रांच द्वारा किया गया। दिनांक 10/04/26 को तीन अज्ञात लडको द्वारा फरियादी मनोज वर्मा की सायकिल मे टक्कर मारकर गिराकर उसकी आँख मे मुर्ची पाउडर डालकर फरियादी के हाथ मे पहना हुआ सोने का कडा, हाथ घडी व पैसे छीन कर भाग जाने पर फरियादी की रिपोर्ट पर अपराध क्र. 64/26 धारा 309(4),309(6),3(5) बीएनएस का कायम कर विवेचना मे लिया गया। दौराने विवेचना अज्ञात आरोपीगणो की लगातार तलाश पतारसी हेतु लगभग 500 सीसीटीव्ही फुटेज देखे गये, तकनीकी व मुखबिर की सहायता से निम्न आरोपीगणो को गिरफ्तार किया गया।

अमरकंटक ताप विद्युत गृह की यूनिट नंबर 5 ने 560 दिन किया लगातार उत्पादन

भोपाल, नप्र। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई की 210 मेगावाट क्षमता की यूनिट नंबर 5 ने एक बार फिर कमाल दिखाते हुए 560 दिन निर्बाध विद्युत उत्पादन करते हुए एनटीपीसी के विंध्याचल सुपर ताप विद्युत गृह सिंगरौली को पीछे छोड़ दिया। देश के ताप विद्युत उत्पादन के इतिहास में अब चचाई की यह यूनिट 210 मेगावाट श्रेणी में सर्वाधिक दिनों तक निर्बाध विद्युत उत्पादन करने वाली दूसरी यूनिट बन गई। समग्र रूप से और सभी श्रेणी में देखा जाए तो अमरकंटक ताप विद्युत गृह की यह यूनिट सर्वाधिक लगातार विद्युत उत्पादन करने वाले विद्युत इकाइयों में चौथे स्थान पर अपना नाम दर्ज करवा चुकी है। चचाई की यह यूनिट 1 अक्टूबर 2024 से निर्बाध रूप से विद्युत उत्पादन कर रही है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि अमरकंटक ताप विद्युत गृह के यूनिट नंबर 5 द्वारा हासिल की गई यह यह उपलब्धि गहन योजना, मज़बूत निवारक रखरखाव प्रक्रियाओं, बारीकी से की गई परिचालन निगरानी और ऋक्र की पूरी परिचालन व रखरखाव टीम के अटूट समर्पण का परिणाम है। इतनी लंबी अवधि तक बिना किसी बड़ी रुकावट के निर्बाध परिचालन बनाए रखना अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई के पेशेवर रूख, प्रतिबद्धता और तकनीकी दक्षता का प्रमाण है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि न केवल ऋक्र के लिए गौरव का विषय है।

अपेक्स बैंक के एमडी मनोज गुप्ता ने पैक्स से किसानों को जोड़ने का अभियान शुरू किया

भोपाल, नप्र। प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के निर्देशो के परिपालन में मा.सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश के 10 लाख किसानों को प्रदेश की पैक्स से जोड़ने के सदस्यता महाअभियान की शुरूआत अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक श्री मनोज गुप्ता ने उज्जैन जिले की नरवर तहसील के किसानों को सदस्य बनाकर की। उल्लेखनीय है कि प्रदेश की बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख समितियां (बी-पैक्स) राज्य की ग्रामीण सहकारी तंत्र की आधारशिला हैं, जो किसानों को ऋण, कृषि आदान, भण्डारण, विपणन तथा अन्य आवश्यक सेवायें उपलब्ध कराती हैं। वर्तमान में राज्य में अनेक पात्र किसान अभी भी पैक्स के सदस्य नहीं हैं, जिसके कारण वे संस्थागत ऋण एवं अन्य सहकारी सुविधाओं का पूर्ण लाभ प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं, इसी परिप्रेक्ष्य में 4534 पैक्स के कार्यक्षेत्र में निवासरत सभी गैर सदस्य किसानों को प्राथमिकता के आधार पर सदस्य बनाने के लिये अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक श्री मनोज गुप्ता ने उज्जैन जिले की नरवर तहसील में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों को सदस्य बनाकर सदस्यता महाभियान की शुरूआत की।

भोपाल में गैस का खेल, होटल-रेस्टोरेंट को बेचे बिना ओटीपी के सिलिंडर, बुकिंग करने के बाद भी उपभोक्ता परेशान

भोपाल, नप्र। जिले में एलपीजी उपभोक्ता को बुकिंग करने के बाद भी समय पर घरेलू गैस सिलिंडर की आपूर्ति नहीं हो रही है। इस वजह से वह भीषण गर्मी में एजेंसी-गोदाम पर सिलिंडर के लिए लाइन में लगने के लिए मजबूर हैं। दरअसल एजेंसी संचालकों द्वारा बुकिंग वाले उपभोक्ताओं को छोड़कर बिना ओटीपी के सिलिंडर आपूर्ति कर दिए गए हैं। जब गैस कंपनियों ने इसकी जानकारी एजेंसियों से मांगी तो वह रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं करवा पा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार भोपाल में साढ़े पांच लाख घरेलू एलपीजी व 40 हजार व्यावसायिक उपभोक्ता हैं, जिनको 40 गैस एजेंसियों के माध्यम से सिलिंडरों की आपूर्ति की जाती है। अभी नये नियमों के अनुसार शहरी क्षेत्र में 25 से 35 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन बुकिंग की सीमा कर दी गई है। इसके बाद ही ओटीपी आदि आने पर एजेंसी द्वारा उपभोक्ताओं को सिलिंडर आपूर्ति की जाती है। इस व्यवस्था के बाद से होटल, रेस्टोरेंट, हॉकर्स कॉर्नर

आदि संचालक घरेलू गैस सिलिंडरों का उपयोग नहीं कर पा रहे थे। ऐसे में संचालकों ने बिना ओटीपी के ही सिलिंडर देना शुरू कर दिया है।

ऐसी एक शिकायत खाद्य विभाग को मिली थी, जिससे खाद्य टीम ने मिनाल रेसीडेंसी स्थित एचपी फिनिक्स गैस एजेंसी पर पहुंचकर निरीक्षण किया और जानकारी मांगी तो पता चला कि बिना ओटीपी के करीब 300 सिलिंडर आपूर्ति कर दिए गए हैं। जिनका एजेंसी के पास कोई रिकॉर्ड ही नहीं है और वह एचपी गैस कंपनी को उपलब्ध भी नहीं करवा पा रहे हैं। इस वजह से कंपनी के द्वारा एजेंसी संचालक को नए सिलिंडर की खेप नहीं दी जा रही है। ऐसे में अब उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ती जा रही है और उनको सिलिंडर नहीं मिल रहा है।

इंडेन की एजेंसियों पर समस्या बरकरार जिले में इंडेन कंपनी के करीब ढाई लाख एलपीजी उपभोक्ता हैं, जबकि 26 से अधिक गैस एजेंसी हैं। अब भी बुकिंग करने में उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और यदि बुकिंग हो रही है तो 10 से 15 दिन पहले सिलिंडर नहीं मिल रहा है। ऐसे में उपभोक्ता गोविंदपुरा स्थित गैस गोदाम, एजेंसियों पर कतार में लगकर सिलिंडर मिलने का इंतजार कर रहे हैं। करोंद जेल रोड स्थित हैप्पी इंडेन पर हर दिन उपभोक्ताओं की लाइन लगी रहती है।

सात दिन का गैस स्टॉक उपलब्ध

जिले में भौरी बकानिया स्थित एलपीजी गैस डिपो में करीब तीन हजार 500 मीट्रिक टन एलपीजी गैस उपलब्ध हैं। इस तरह से अभी छह से सात दिन का स्टॉक मौजूद हैं, जिले में प्रतिदिन 400 से 450 मीट्रिक टन एलपीजी गैस की खपत होती है। जिला आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन ने बताया कि एजेंसी संचालकों को नियमानुसार ही सिलिंडर आपूर्ति के निर्देश दिए गए हैं। एचपी फिनिक्स एजेंसी वाले ने बिना ओटीपी के सिलिंडर दिए हैं, जिसकी जांच शुरू कर दी गई है।

संपादकीय

धर्मांतरण के नाम पर संगठित अपराध: सख्त कार्रवाई का समय

नासिक केस ने खोली परतें, कई राज्यों में सीफैलते नेटवर्क पर सरकार को कड़ा रुख अपनाना होगा

महाराष्ट्र के नासिक में सामने आया धर्मांतरण और यौन शोषण से जुड़ा मामला अब केवल एक स्थानीय घटना नहीं रह गया है। जांच में जिन तथ्यों का खुलासा हुआ है, वे इस ओर इशारा करते हैं कि इसके पीछे एक संगठित नेटवर्क सक्रिय था, जो सुनियोजित तरीके से लोगों को निशाना बना रहा था। इस मामले में सामने आए आरोपियों में मैनेजर अश्विनी चेनानी, तोसीफ अत्तार, दानिश शेख, रजा मेमन और निदा खान जैसे नाम शामिल हैं, जिनकी भूमिका जांच के दायरे में है। जांच एजेंसियों के अनुसार, यह नेटवर्क खासतौर पर नए और आर्थिक रूप से कमजोर कर्मचारियों को टारगेट करता था। उनकी निजी और सामाजिक परिस्थितियों का लाभ उठाकर उन्हें अपने प्रभाव में लेने की कोशिश की जाती थी। यह प्रवृत्ति न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि समाज के कमजोर वर्गों के शोषण का भी गंभीर उदाहरण है। चिंता का विषय यह भी है कि शिकायत करने वालों को दबाने या फटकारने जैसे आरोप सामने आए हैं। यदि कार्यस्थलों पर इस तरह का माहौल बनेगा, तो पीड़ितों के लिए न्याय पाना और भी कठिन हो जाएगा। इससे अपराधियों का हौसला बढ़ता है और व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े होते हैं। यह मामला अब एक बड़े परिप्रेक्ष्य में देखने की आवश्यकता है। कई प्रदेशों में इस प्रकार की घटनाएं संगठित अपराध के रूप में सामने आ रही हैं। ऐसे में सरकार को चाहिए कि वह इसे गंभीरता से लेते हुए राष्ट्रीय स्तर पर सख्त रणनीति तैयार करे। केवल गिरफ्तारी तक सीमित रहने के बजाय, पूरे नेटवर्क को जड़ से खत्म करने की दिशा में ठोस और प्रभावी कदम उठाए जाएं। साथ ही, निजी कंपनियों और संस्थानों को भी अपनी आंतरिक व्यवस्थाओं को मजबूत करना होगा, ताकि कर्मचारियों की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित किया जा सके। जागरूक समाज और सख्त प्रशासनिक कार्रवाई ही इस तरह के अपराधों पर अंकुश लगा सकती है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम: प्रधानमंत्री श्री मोदी का महत्वाकांक्षी मिशन

डॉ. राघवेंद्र शर्मा

भारत की विकास यात्रा में आज एक ऐसा स्वर्णिम अध्याय लिखा जा रहा है जहाँ राष्ट्र की %आधी आबादी% अब केवल चर्चाओं का विषय नहीं, बल्कि नीति-निर्धारण की मुख्यधारा का अनिवार्य हिस्सा बनने जा रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में केंद्र की भाजपा नीत सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के जिस संकल्प को सिद्ध करने का बीड़ा उठाया है, वह भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक युगांतरकारी घटना है। आगामी 2029 के आम चुनाव से इस अधिनियम को लागू करने की मंशा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वर्तमान सरकार महिलाओं के प्रति केवल सहानुभूति नहीं रखती, बल्कि उन्हें वास्तविक राजनीतिक शक्ति सौंपने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। संसद और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने का यह निर्णय उस अटूट विश्वास का प्रतीक है कि जब देश की बेटियाँ विधायी प्रक्रियाओं का नेतृत्व करेंगी, तभी भारत एक विकसित राष्ट्र के रूप में पूर्णता प्राप्त कर सकेगा। भाजपा सरकार की यह पहल केवल एक कानूनी बदलाव नहीं है, बल्कि यह उस रूढ़िवादी सोच पर प्रहार है जिसने दशकों तक महिलाओं को निर्णय लेने वाली मेजों से दूर रखा।

महिला आरक्षण का मुद्दा भारतीय राजनीति के गलियारों में पिछले कई दशकों से गूंजता रहा है, कई बार प्रयास हुए और कई बार राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव में वे प्रयास विफल हो गए, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने यह सिद्ध कर दिया कि जहाँ दृढ़ संकल्प होता है, वहाँ मार्ग स्वयं प्रशस्त हो जाता है। संसद के विशेष सत्र में इस दिशा में उठाए जाने वाले कदम इस बात की पुष्टि करते हैं कि सरकार इस ऐतिहासिक सुधार को जल्द से जल्द धरातल पर उतारने के लिए आतुर है। मेरी दृष्टि में यह केवल एक चुनावी घोषणा नहीं है, बल्कि पिछले दस वर्षों में महिला कल्याण के लिए किए गए निरंतर प्रयासों की एक तार्किक परिणति है।

यदि हम पीछे मुड़कर देखें, तो पाएंगे कि मोदी सरकार ने अपने कार्यकाल के प्रथम दिन से ही महिलाओं को राष्ट्र निर्माण की धुरी माना है। %बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ% अभियान ने समाज की मानसिकता को बदलने का जो महती कार्य किया,उसका परिणाम आज लिंगानुपात में आए सुधार और बालिकाओं की शिक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता के रूप में दिखाई देता है। इसी प्रकार, सुकन्या समृद्धि योजना ने

करोड़ों बेटियों के भविष्य को आर्थिक सुरक्षा प्रदान की है, जिससे वे अपनी उच्च शिक्षा और सपनों को बिना किसी बाधा के पूरा कर सकें। ग्रामीण भारत की महिलाओं के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली उज्ज्वला योजना का उल्लेख किए बिना महिला सशक्तिकरण की चर्चा अधूरी है। धुएं से भरे रसोईघर से मुक्ति दिलाकर करोड़ों माताओं-बहनों को सम्मानजनक और स्वस्थ जीवन देना इस सरकार की संवेदनशीलता का सबसे बड़ा प्रमाण है। मिशन इंद्रधनुष के माध्यम से गर्भवती महिलाओं और शिशुओं का सुरक्षा चक्र मजबूत किया गया, तो वहीं पीएम मातृ वंदना योजना ने कामकाजी महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान आर्थिक संबल प्रदान कर उनके स्वास्थ्य और पोषण का ध्यान रखा। माध्यमिक शिक्षा में लड़कियों को दिए जाने वाले प्रोत्साहन ने यह सुनिश्चित किया कि धन के अभाव में किसी बेटी की पढ़ाई न छूटे। इन तमाम योजनाओं की सफलता यह दर्शाती है कि भाजपा सरकार ने सदैव महिलाओं की जमीनी समस्याओं को समझा और उनका समाधान निकाला। अब राजनीतिक भागीदारी की दिशा में उठाया गया यह 33 प्रतिशत आरक्षण का कदम इसी श्रृंखला की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। हाल ही में देशभर की महिला प्रतिनिधियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बैठक ने इस विश्वास को और प्रगाढ़ किया है कि सरकार महिलाओं के सुझावों और उनकी आकांक्षाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। इस बैठक में प्रधानमंत्री का आत्मविश्वास और महिलाओं के प्रति उनका सम्मान यह दर्शाता है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक कागजी दस्तावेज नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी का एक पवित्र घोषणापत्र है। इस अधिनियम के लागू होने से न केवल संसद की बनावट बदलेगी, बल्कि नीति-निर्माण की प्रक्रिया में एक नया दृष्टिकोण, संवेदनशीलता और समावेशिता आएगी। यह आरक्षण महिलाओं को वह मंच प्रदान करेगा जहाँ वे अपनी समस्याओं और देश की चुनौतियों पर अपनी विशिष्ट दृष्टि से निर्णय ले सकेंगी। विपक्ष की तमाम बयानबाजियों और दशकों की टालमटोल के विपरीत, मोदी सरकार ने जिस तरह से इस जटिल कार्य को अंजाम देने का साहस दिखाया है, उसकी जितनी सराहना की जाए कम है। यह संकल्प से सिद्धि की वह यात्रा है जिसे आने वाली पीढ़ियाँ भारत के पुनरुत्थान के रूप में याद रखेंगी। देश की आधी आबादी आज यह अनुभव कर रही है कि उनके पास एक ऐसा नेतृत्व है जो उनके हितों की रक्षा के लिए चट्टान की तरह खड़ा है। 2029 का चुनाव केवल एक सामान्य निर्वाचन नहीं होगा, बल्कि वह भारतीय लोकतंत्र के एक नए युग का उदय होगा जहाँ नारी शक्ति अपने पूर्ण सामर्थ्य के साथ राष्ट्र का मार्ग प्रशस्त करेगी। भाजपा सरकार ने यह प्रमाणित कर दिया है कि वह महिलाओं के हित में केवल सोचती नहीं है, बल्कि धरातल पर ठोस कार्य करके उनके जीवन को बदलने का सामर्थ्य भी रखती है। भारत की स्त्रियाँ अब केवल मतदाता नहीं, बल्कि देश की नियति तय करने वाली नायिकाएँ बनने जा रही हैं और इसका श्रेय प्रधानमंत्री मोदी की उस दूरगामी सोच को जाता है जिसने %नारी शक्ति% को %राष्ट्र शक्ति% का पर्याय बना दिया है। आने वाले समय में जब विधानसभाओं और संसद के गलियारे महिलाओं की उपस्थिति से रोशन होंगे, तब भारत का लोकतंत्र अपनी सार्थकता को नए आयामों पर सिद्ध करेगा और यह सुनिश्चित होगा कि एक विकसित भारत का सपना अब दूर नहीं है। देश की करोड़ों महिलाओं का अटूट विश्वास और प्रधानमंत्री का संकल्प मिलकर एक ऐसे भारत की नींव रख रहे हैं जहाँ समानता केवल संविधान के पन्नों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि समाज के हर क्षेत्र में जीवंत रूप में दिखाई देगी।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से दी जाने वाली यह सौगात भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी उपलब्धि मानी जाएगी, जो देश की बेटियों को यह विश्वास दिलाती है कि उनके लिए अब कोई भी शिखर अप्राप्य नहीं है। (विनायक फीचर्स)

भाड़े की भीड़ में यू ट्यूबरों की दुकान

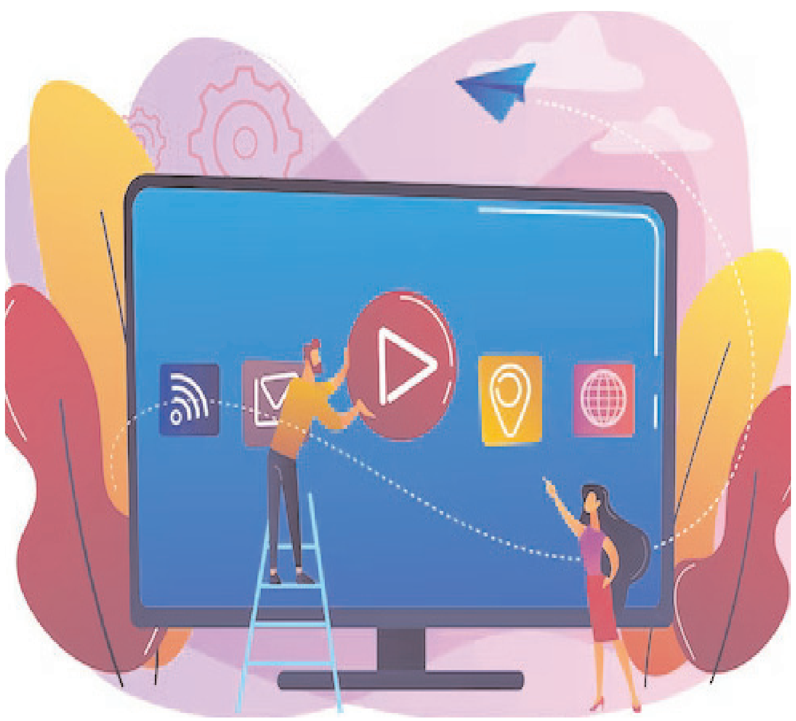

(व्यंग्य)

डॉ. सुधाकर आशावादी

भारतीय लोकतंत्र में अफ़वाहों के आधार पर नित्य ही कहीं न कहीं भीड़ जुटती है, तदुपरांत वह किसी सार्वजनिक स्थल पर धरना प्रदर्शन करने लगती है। उसके हाथों में न जाने कहाँ से विरोध पट्टिकाएँ आ जाती हैं। कुछ बैनर भी नमूदार होते हैं। भीड़ ये नहीं जानती, कि वह किस उद्देश्य से एकत्रित है।

ऐसी भीड़ में कुछ यू ट्यूबर अपने अपने मोबाइलों के कैमरे चालू करके जीवंत प्रसारण करने लगते हैं। बरसों तक समाचार चैनलों के किए कवरेज करने के बाद हटाए गए निराश हताश और कुंठित पत्रकार भी हाथों में माइक लेकर आ धमकते हैं। उनके भी अपने विमर्श तय हैं, कि उन्हें समाज को क्या दिखाना है और क्या छिपाना है। उन्हें अपने किस सहयोग कर्ता अपनी सेवाओं से प्रसन्न करना है और किस किस के विरुद्ध अफवाहों का प्रसारण करके अपने आकाओं से उपहार प्राप्त करने हैं। उनकी देखा देखी कुछ नए लोग भी इस धंधे में उतरते हैं तथा अपने निजी यू ट्यूब चैनल चलाने वालों का अनुसरण करते हैं। उन्हें भी नाच मेरी बुलबुल की तर्ज पर पत्रकारिता ढोनी है। उन्हें न किसी आँगन को टेढ़ा देखना है और न ही नृत्य के लिए उपयोगी उपकरणों की जरुरत महसूस करनी है। उन्हें केवल भीड़ में घुसकर भीड़ का हिस्सा बनना है और भीड़ से अपने मनमुताबिक सवाल करके मन मुताबिक उत्तर प्राप्त करने हैं। यदि कोई उत्तर बुलबुल के मन मुताबिक़ न मिले, तो संपादन करते समय उस उत्तर दाता के जवाब को ही डिलीट करना उनकी मजबूरी बन जाती है।

यह यू ट्यूबर की इच्छा पर निर्भर रहता है कि वह क्या देखना चाहता है और क्या दिखाना चाहता है। कई बार दिल्ली के जंतर मंतर पर ऐसे ही नज़ारे देखने में आते हैं, कि जब कुछ यू ट्यूबर आपस में ही भिड़ जाते हैं। एक दूसरे को नंगा करने पर उतारू हो जाते हैं। इसके पीछे भी नमक का कर्ज अदा करने की मजबूरी होती है। अपने आका को खुश करने की भावना होती है, कि आका खुश हुआ तो यू ट्यूबर का धंधा चलेगा, आका शाबाशी देगा, तो यू ट्यूबर भी खुश होगा। भीड़ का काम ही भेड़ जैसा आचरण अपनाना है और यू ट्यूबर का काम अपने चैनल के माध्यम से भीड़ को उकसाना है। भीड़ सत्य को नही जानती, न वह सत्य को जानना चाहती है। उसे विरोध की वजह से कोई सरोकार नही होता। भीड़ में किसी की व्यक्तिगत पहचान नही होती। वह किराए पर जुटाई जा सकती है। भीड़ भोली होती है, भीड़ नादान होती है। कई बार वह सच भी उगल देती है । वह बता देती है, कि उसे भाड़े पर लाया गया है। वह न विरोध का कारण जानती है और न ही समर्थन का।

भीड़ की कोई गलती नही होती। उसकी केवल दिहाड़ी पक्की होनी चाहिए, क्योंकि भीड़ जानती है, कि उसके वजूद पर ही आंदोलन का वजूद जिंदा है। उसके वजूद से ही यू ट्यूबर की दुकान चलती है। सो भीड़ का अभिनंदन वंदन किया ही जाना चाहिए।

मातृशक्ति सशक्त होगी तो भारत की वैश्विक शक्ति बढ़ेगी'

राजा पाठक

भारत एक शक्ति-प्रधान राष्ट्र है। यह विश्व का वह अद्वितीय देश है, जहां भूमि को 'माता' का दर्जा दिया गया है। भारतीय संस्कृति में मातृशक्ति को सृजन, संस्कार और शक्ति का मूल आधार माना गया है। यही कारण है कि भारत में नारी केवल परिवार की धुरी नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की आधारशिला रही है।

प्राचीन काल से लेकर आधुनिक भारत तक, मातृशक्ति ने हर क्षेत्र में अपनी कर्तव्यपरायणता, त्याग और अदम्य साहस का परिचय दिया है। स्वतंत्रता संग्राम में रानी लक्ष्मीबाई जैसी वीरांगनाओं ने यह सिद्ध किया कि जब नारी शक्ति जागृत होती है, तो वह इतिहास की दिशा बदल सकती है।

आज भारत एक ऐतिहासिक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जहां नारी सशक्तिकरण केवल सामाजिक विमर्श नहीं, बल्कि नीति और व्यवस्था का अभिन्न अंग बन चुका है। ÷नारी शक्ति वंदन÷ जैसे महत्वपूर्ण प्रयासों के माध्यम से महिलाओं को अब केवल सुरक्षा और सम्मान ही नहीं, बल्कि निर्णय प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी का अधिकार भी सुनिश्चित किया जा रहा है।

यह परिवर्तन केवल अधिकार देने तक सीमित नहीं है, बल्कि एक व्यापक सोच का परिणाम है– जहां महिलाओं को आत्मनिर्भर, सक्षम और नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। जब महिलाएं नीति-निर्माण में भागीदारी करेंगी, तो समाज के हर वर्ग की आवश्यकताओं को अधिक संवेदनशीलता और संतुलन के साथ समझा और संबोधित किया जा सकेगा।

इतिहास साक्षी है कि जब भी मातृशक्ति को उचित अवसर मिला है, उसने समाज और राष्ट्र को नई दिशा दी है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम नारी को केवल सम्मान का प्रतीक मानकर सीमित न रखें, बल्कि उसे अवसर, अधिकार और निर्णय की शक्ति प्रदान करें।

मातृशक्ति का सशक्तिकरण ही ÷विकसित भारत÷ की वास्तविक नींव है। जब भारत की महिलाएं सुरक्षित, सम्मानित, स्वाभिमानी और निर्णय प्रक्रिया में सहभागी होंगी, तब भारत न केवल सामाजिक रूप से सशक्त होगा, बल्कि वैश्विक मंच पर भी एक सशक्त नेतृत्वकारी राष्ट्र के रूप में उभरेगा।

मातृशक्ति का उत्थान ही राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है।

व्यंग्य: भारतीय पापा और व्हाइट हाउस का डकी

विवेक रंजन श्रीवास्तव

अमेरिका में भले ही अठारह साल के बाद बाप बेटे का रिश्ता अपॉइंटमेंट और थैंक्सगिविंग के कार्ड तक सिमट जाता हो, पर हमारे यहाँ पिता का धर्म कभी रिटायर नहीं होता। यहाँ का बाप उस समय भी कांपती आवाज में बेटे से स्टेटस रिपोर्ट माँगता है, जब उसका पैंसठ साल का बेटा खुद दादा बन चुका होता है। अखबार हाथ में लेते ही पापा की पहली चिंता यही होती है कि इस डालर ने आज खाना खाया या नहीं? सुना है आज फिर उसने किसी मुल्क से कट्टी कर ली है। खाली पेट दिमाग वैसे ही गरम रहता है उसका। यदि डोनाल्ड का जन्म भारत में हुआ होता, तो उनका नाम यकीनन डालर होता या फिर प्यार से उन्हें डकी पुकारा जाता।

वाशिंगटन की सर्द हवाओं में जब सत्तर पार का यह अधेड़ डकी अपनी सुनहरी जुल्फें संवारते हुए पूरी दुनिया को परमाणु बटन की धमकी दे रहा होता है, तब सात समंदर पार भारत के किसी कस्बे में बुजुर्ग पापा की चाय चिंता में ठंडी हो रही होती है। पापा के लिए वह पोटस या दुनिया का सबसे ताकतवर शख्स नहीं, बल्कि वही पुराना लाडला शैतान डकी है। वही लड़का जो बचपन में भी मोहल्ले के क्रिकेट मैच में आउट होने पर अपना बल्ला लेकर घर भाग जाता था।

पापा की चिंता असल में इतिहास के उन फटे पन्नों से उपजती है, जहाँ हिटलर की मूंछें, सद्दाम के बंकर और उन तमाम तानाशाहों की खंडित मूर्तियां पड़ी हैं। पापा अक्सर बुदबुदाते हैं कि सत्ता तो आनी जानी है, पर ये जो डकी को हर बात में अपना ही फायदा देखने की कैश बैक वाली बीमारी लगी है, वह बड़ी बेहूदा है।

दुनिया नियमों से चलती है, पर डकी का अपना ही गणित है। वह पड़ोसी के घर नाश्ता करने जाता है और लौटते समय उसे बिल थमा देता है कि मेरे घर के आगे की नाली से तुम्हारी छत का पानी बहा है, उसका सर्विस टैक्स निकालो। उसे लगता है कि पूरी दुनिया एक बड़ा सा शॉपिंग मॉल है, जहाँ वह हर युद्ध को डिस्काउंट कूपन और हर संधि को टैरिफ की ब्लैकमेलिंग से हल कर लेगा। उसे क्या पता कि जब इतिहास अपनी कलाबाजी दिखाता है, तो अहंकार के टावर धूल होने में देर नहीं लगती।

इस घबराहट के बीच डकी की मम्मी का अपना समानांतर तर्क चलता है। वे तवे पर आखिरी रोटी सेंकते हुए पापा को ढांढस बंधाती हैं कि आप खामख्वाह लड़के को कोस रहे हैं, उसे किसी की नजर लग गई है। वह जो आजकल टीवी पर इतना नारंगी सा दिख रहा है, वह चेहरा नहीं बल्कि किसी की हाय का असर है।

मम्मी का मानना है कि व्हाइट हाउस की हवा ही खराब है, वहाँ कोई ऊपरी साया है जो डकी को रात बेरात ट्वीट करने के लिए उकसाता है। वे सलाह देती हैं कि अगली बार जब वह घर आए, तो उसके ब्रांडेड कोट के पीछे एक छोटा सा काला टीका लगा देना और तकिए के नीचे लाहौर वाले बाबा की ताबीज रख देना, ताकि उसका दिमाग दुनिया जलाने के बजाय घर बसाने में लगे। पापा को डर है कि डकी की ये डक टाक उसे किसी गहरी खाई में न ले जाए। यह जो वह सुबह उठकर चीन से उलझता है, दोपहर में मेक्सिको की दीवार नापता है और शाम को किसी छोटे से देश का भूगोल मिटाने की धमकी देता है, यह व्यवहार ग्लोबल लीडर का नहीं, बल्कि उस जिद्दी लड़के सा है जिसके हाथ में गलती से माचिस लग गई हो।

पापा अक्सर ठंडी आह भरकर कहते हैं कि अगर यह यहाँ होता तो शाम को थैला लेकर सब्जी मंडी जा रहा होता। जब पाव भर टिंडे के दाम पर बहस करता, तब उसे समझ आता कि समझौता करना और दुनिया चलाना, दोनों में कितना धीरज चाहिए।

पापा डकी के बयानों का मिलान इतिहास के हश्र से करते हैं। उन्हें डर है कि कहीं वाशिंगटन के लोग भी वही न करें जो बगदाद वालों ने किया था। वे मन ही मन मनाते हैं कि डकी कम से कम इतना तो समझ जाए कि मूर्तियां बनवाना और ट्वीट करना आसान है, पर लोगों के दिलों में जगह बनाए रखना सबसे मुश्किल काम है।

आखिर में पापा अखबार मोड़कर रख देते हैं और चश्मा साफ करते हुए एक गहरी सांस लेते हैं कि बाल भी ढंग से नहीं कटवाता, कम से कम सिर तो ठंडा रहता। पर क्या करें, अपना ही डकी है, चाहे जितना भी सिरफिरा हो, आखिरकार है तो हमारा डालर ही। **(विनायक फीचर्स)**

संक्षिप्त समाचार

लिखड़ी उपकेंद्र में अतिरिक्त ट्रांसफार्मर से 575 किसानों को मिलेगा बेहतर बिजली सपोर्ट

बैतूल,(निप्र)। विद्युत वितरण कंपनी के उत्तर संभाग के अंतर्गत वितरण केंद्र आमला ग्रामीण के ग्राम लिखड़ी स्थित 33/11 केवी उपकेंद्र में मंगलवार को 3.15 एमवीए क्षमता का अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया। इस नए ट्रांसफार्मर के लगने से क्षेत्र में लंबे समय से बनी वोल्टेज समस्या का समाधान होगा। साथ ही लगभग 575 किसानों को सिंचाई के लिए गुणवत्तापूर्ण और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी, जिससे कृषि कार्यों में सुगमता आएगी। इस अवसर पर उप-महाप्रबंधक निर्माण संभाग श्री दीपक भूसारे, सहायक प्रबंधक एसटीएम श्री दिनेश्वर बांसोड़ सहित विभाग के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

रेत उत्खनन और तेज बहाव से खोखले हो रहे तट:नर्मदा-तवा संगम पर 10 मीटर तक बढ़ा कटाव

नर्मदापुरम,(निप्र)। नर्मदापुरम में नर्मदा और तवा नदी के किनारों पर कटाव रोकने के लिए अब तक कोई ठोस काम नहीं हो सका है। संगम तट बांद्राभान में कटाव 10 मीटर तक बढ़ गया है, जिससे बांद्राभान सड़क और पास स्थित स्कूल पर खतरा मंडरा रहा है। रेत के अनियंत्रित उत्खनन और बारिश में धाराओं के टकराव से पैदा होने वाले भंवर तटों को नीचे से खोखला कर रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, गंगा और ब्रह्मपुत्र की तर्ज पर यहाँ 'स्पर तकनीक' का उपयोग कर धारा को बीच की ओर मोड़ना जरूरी है। जल संसाधन विभाग ने बांद्राभान और ब्रिज के पास कटाव रोकने के लिए 15-15 करोड़ के दो प्रस्ताव शासन को भेजे हैं। फिलहाल मंगलवारा और विवेकानंद घाट पर पिचिंग का कार्य जारी है, लेकिन बांद्राभान में स्थिति अब भी चिंताजनक बनी हुई है। तटों के कटाव के दो मुख्य कारण हैं। पहला, बारिश में तवा का तेज बहाव नर्मदा से टकराकर भंवर पैदा करता है, जो ड्रिल मशीन की तरह किनारों को काटते हैं। दूसरा, मशीनों से रेत निकालने के कारण नदी का तल उबड़-खाबड़ हो गया है, जिससे तटों का कुशन जैसा प्राकृतिक सपोर्ट खत्म हो गया है।

नरखेड़ा जागीर का 1.972 हेक्टेयर तालाब हुआ अतिक्रमण मुक्त

विदिशा,(निप्र)। सिरोंज अनुविभाग में जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की गई है। एसडीएम सिरोंज श्री हरिशंकर विश्वकर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम नरखेड़ा जागीर स्थित तालाब, जो सर्वे नंबर 168 रखवा अंतर्गत 1.972 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है, लंबे समय से अतिक्रमण की चपेट में था। प्रशासन द्वारा 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के तहत सुनियोजित कार्रवाई करते हुए इस तालाब को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है। इस कार्यवाही से न केवल जल स्रोत का संरक्षण सुनिश्चित हुआ है, बल्कि क्षेत्र में जल स्तर सुधारने और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने की दिशा में भी सकारात्मक कदम उठाया गया है। एसडीएम श्री विश्वकर्मा ने बताया कि इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी, ताकि सभी पारंपरिक जल स्रोतों को संरक्षित कर आमजन को इसका लाभ मिल सके।

खेत पर पानी देने गए मजदूर की संदिग्ध मौत:हरदा में 1 घंटे बाद गेट पर मिला शव

हरदा,(निप्र)। हरदा के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रन्हाईकला में बीती मंगलवार रात खेत पर पानी देने गए एक मजदूर विश्राम गठिया का शव 1 घंटे बाद संदिग्ध परिस्थितियों में खेत के गेट पर मिला है। मृतक के सिर और मुंह पर चोट के निशान मिले हैं, जिसे लेकर उसके बेटे ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने एक्सीडेंट की सूचना पर मर्ग कायम कर बुधवार सुबह शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है और सीसीटीवी फुटेज खंगालकर मामले की जांच कर रही है। ग्राम रन्हाईकला निवासी मजदूर विश्राम गठिया मंगलवार रात करीब 10 बजे किसान मुकेश दोगने के खेत पर पानी देने गया था। लगभग एक घंटे बाद, रात करीब 11 बजे उसका शव किसान के खेत के गेट के पास पड़ा मिला। ग्रामीणों ने इसकी सूचना मृतक के बड़े बेटे कन्हैया को दी। मौके पर पहुंचने पर कन्हैया ने देखा कि उसके पिता के सिर और मुंह पर चोट के निशान थे और खून बह रहा था। इसके बाद उसने तत्काल परिजनों और पुलिस को घटना की जानकारी दी।सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और जांच शुरू की। मृतक के बेटे ने अपने पिता की हत्या की आशंका जताई है। बताया गया है कि मृतक विश्राम घर में अकेला कमाने वाला था।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती पर विदिशा में गरिमामय आयोजन, जनप्रतिनिधियों ने विचारों को अपनाने का किया आह्वान

समरसता भोज में सभी ने एक साथ बैठकर भोजन प्रसादी ग्रहण की

विदिशा ,(निप्र)। भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर विदिशा जिले भर में विविध कार्यक्रमों का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। प्रातः प्रभात फेरियों, माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रमों की शुरुआत हुई, जिसमें नागरिकों एवं विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

विदिशा जिला मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा डॉ भीमराव अम्बेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर के विचारों को अपने जीवन में उतारकर ही हम उनके सच्चे अनुयायी बन सकते हैं। उन्होंने बताया कि जिला पंचायत के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की किरण पहुंचाने और उनके जीवन में आशातीत परिवर्तन लाने के सफल प्रयास किए जा रहे हैं।

विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन ने कहा कि बाबा साहब द्वारा निर्मित संविधान ने देश की अनेक कमियों को दूर कर सभी नागरिकों को समानता का अधिकार प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में बाबा साहब की जयंती को शासकीय स्वरूप दिया गया है तथा उनके जीवन से जुड़े स्थानों को तीर्थ-दर्शन के रूप में विकसित किया जा रहा है।

विधायक श्री टंडन ने कहा कि भारत रत्न डॉ बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की मंशा के अनुरूप केन्द्र एवं राज्य सरकार के द्वारा गरीबो, शोषित और पिछड़े समुदाय को विकसित करने के लिए विशेष पहल की जा रही है। उन्होंने कहा कि हम सबको संविधान का पालन कर जागरूक नागरिक होने का परिचय देना चाहिए।

कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति राकेश शर्मा ने भी संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहब का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि विपरित परिस्थितियों के बावजूद दृढ़ संकल्प और लक्ष्य के प्रति अडिग रहकर उन्होंने देश का गौरव बढ़ाया, जो हम सभी के लिए अनुकरणीय है।

रविन्द्रनाथ टैगोर सांस्कृतिक भवन ऑडिटोरियम, विदिशा में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को प्रतीक स्वरूप अतिथियों द्वारा हितलाभ का वितरण भी किया गया। खासकर सफाई कामगारो का सम्मान शाल उडाकर व माला पहनाकर किया गया है। इससे पहले कार्यक्रम में संगोष्ठी, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं जागरूकता गतिविधियां आयोजित कर समाज में समानता, शिक्षा एवं सामाजिक समरसता का संदेश दिया गया।

जिला मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम के उपरांत समरसता भोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। उपरोक्त सहभोज कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी, विधायक श्री मुकेश टण्डन, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति राकेश शर्मा, कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता, अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोड़िया, एसडीएम श्री क्षितिज शर्मा के अलावा विभिन्न विभागो के अधिकारी, कर्मचारियों ने सभी वर्गो के नागरिकों के साथ बैठकर भोजन प्रसादी ग्रहण की है।

उक्त कार्यक्रम में कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता,अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया समेत विभिन्न विभागों के अधिकारीगण कर्मचारियों के अलावा विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, स्कूली बच्चे, मौजूद रहे। आयोजकों द्वारा सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ दीप्ति शुक्ला के द्वारा किया गया।

अम्बेडकर जयंती पर श्रमदान कर दिया जल संरक्षण का संदेश, जल चौपाल के माध्यम से जागरूकता

बैतूल ,(निप्र)। डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती जी के अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषदजिला बैतूल द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत 'जल स्त्रोत सेवा समागम 'द्वितीय चरण में ग्राम सेहरा स्थित प्राचीन तपतझिरा बावली पर श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला समन्वयक प्रिया चौधरी की उपस्थिति में हुआ।

इस अवसर पर प्राचीन बावली स्थल पर देव पूजन एवं वृक्ष पूजन कर स्थानीय ग्रामीणों एवं प्रस्फुटन समिति सदस्यों ने जल स्त्रोतों के संरक्षण का संकल्प लिया। इसके पश्चात सभी उपस्थित नागरिकों ने सामूहिक श्रमदान करते हुए बावली की साफ-सफाई एवं संरक्षण कार्य किया। कार्यक्रम में जय गुरुदेव उत्थान नवांकुर संस्था सहित ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति अमदर, नयागांव, सेहरा एवं अन्य ग्रामों के सदस्य सक्रिय रूप से शामिल हुए। स्थानीय ग्रामीणों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेकर आयोजन को सफल बनाया।

तपतझिरा स्थल ग्राम सेहरा की एक महत्वपूर्ण जल धरोहर है, जो सामाजिक एकता एवं पर्यावरण जागरूकता का केंद्र भी है। यह एक प्राकृतिक जल स्त्रोत (झिरा/झरना) है, जहां वर्षभर जल का सतत रिसाव होता रहता है। यहां स्थित प्राचीन बावली/कुंड का उपयोग पूर्व में पेयजल एवं दैनिक आवश्यकताओं के लिए किया जाता रहा है और यह भूजल स्तर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कार्यक्रम के दौरान जल चौपाल का आयोजन कर ग्रामीणों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया तथा परंपरागत जल स्त्रोतों के संरक्षण के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गई। आयोजन के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया।

बाइक ट्रॉली से टकराई,बाजार से लौट रहे मां-बेटे की मौत:हरदा में भांजे को भी चोट

19 अप्रैल को शादी थी, खरीदारी करने गए थे

हरदा,(निप्र)। हरदा जिले के हंडिया थाना क्षेत्र में ग्राम मांगरूल नाके के पास मंगलवार रात शादी की खरीदारी कर लौट रहे बाइक सवार मां-बेटे की ट्रैक्टर-ट्रॉली से टक्कर में मौत हो गई। हादसे में उनके साथ मौजूद 12 वर्षीय भांजा गंभीर रूप से घायल हो गया।

मृतकों की पहचान ग्राम ऊंचांन निवासी अभिषेक कीर (21) और उनकी मां नर्मदी बाई (45) के रूप में हुई। अभिषेक की 19 अप्रैल को बारात जानी थी।

पुलिस ने मर्ग कायम कर दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल की मॉर्चुरी में रखवा दिया। घायल भांजे को भोपाल रेफर करने की सलाह दी गई।

पाइप खाली कर लौट रहे ट्रैक्टर से टक्कर : जानकारी के अनुसार, ग्राम ऊंचांन निवासी अभिषेक अपनी मां नर्मदी बाई और 12 वर्षीय भांजे शुभम कीर के साथ शादी की खरीदारी करने हरदा गए थे। मंगलवार रात सवा आठ बजे तीनों बाइक से गांव लौट रहे थे।

ग्राम मांगरूल नाके पर वन विभाग चौकी के पास पाइप खाली कर हंडिया जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली से बाइक टकरा गई। टक्कर में नर्मदी बाई और अभिषेक के सिर में गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। भांजे शुभम की नाक में गंभीर चोट आई।

17 अप्रैल को माता पूजन का कार्यक्रम था

हादसे के बाद तीनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हंडिया ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मां-बेटे को मृत घोषित कर दिया। बड़े भाई भगवानसिंह कीर ने बताया कि अभिषेक की 19 अप्रैल को ग्राम गडरापुर में बारात जानी थी।

17 अप्रैल को माता पूजन और 18 अप्रैल को मंडप का कार्यक्रम था। अभिषेक दो भाइयों में छोटा था और उसकी तीन बहनें हैं। उसके पिता कुछ सालों से मानसिक रूप से बीमार हैं। उन्हें सुनाई भी नहीं देता।

मॉर्चुरी में रखे गए शव, आज होगा पोस्टमॉर्टम : पुलिस ने इस संबंध में मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे में घायल भांजे शुभम को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां से उसे भोपाल रेफर करने की सलाह दी गई है। दोनों शवों को जिला अस्पताल की मर्चुरी में रखा गया है और बुधवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे।

पैक्स सदस्यता महाअभियान का शुभारंभ, किसानों को सदस्यता व केसीसी वितरण के साथ दी गई वित्तीय साक्षरता की जानकारी

बैतूल ,(निप्र)। मध्यप्रदेश शासन द्वारा घोषित कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत सहकारिता विभाग एवं अपेक्स बैंक के निर्देशन में 14 अप्रैल 2026 से 15 मई 2026 तक नवीन सदस्यता महाअभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित सेहरा में सदस्यता महाअभियान कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में सहकारिता विभाग एवं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या, बैतूल द्वारा हितग्राहियों को पैक्स सदस्यता के लिए आवेदन भरवाए गए तथा पात्र किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) का वितरण किया गया। इस अवसर पर अपेक्स बैंक भोपाल से श्री राजकुमार गंगेले, उपायुक्त सहकारिता श्री के.के. शिव , बैंक की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री परिधि अग्रवाल, बैंक अधीक्षक सुश्री नीता निगम सहित बैंक के कर्मचारीगण, संस्थाओं के प्रशासक एवं बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान किसानों को वित्तीय साक्षरता के संबंध में भी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। अधिकारियों ने किसानों को बैंकिंग सेवाओं का उपयोग, डिजिटल भुगतान, बचत की आदत, ऋण प्रबंधन तथा समय पर ऋण चुकौती के महत्व के बारे में जागरूक किया। साथ ही बताया गया कि किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से वे सरल एवं सस्ती दरों पर कृषि ऋण प्राप्त कर अपनी कृषि गतिविधियों को सशक्त बना सकते हैं।

अधिकारियों ने बताया कि यह महाअभियान जिले की सभी कृषि साख सहकारी समितियों में संचालित किया जाएगा, जिसके अंतर्गत अधिक से अधिक किसानों को समिति का सदस्य बनाकर उन्हें सहकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा। अभियान का उद्देश्य किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना तथा उन्हें संगठित सहकारिता तंत्र से जोड़ना है।

फेस रिकग्निशन के माध्यम से राशन वितरण दिसम्बर 2026 तक होगा

रायसेन,(निप्र)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि पात्र परिवारों को उचित मूल्य दुकानों से फेस रिकग्निशन के माध्यम से राशन वितरण की योजना है। इसे दिसम्बर, 2026 तक प्रदेश में लागू किया जाएगा। मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि माह मार्च, 2026 में 1 करोड़ 24 लाख 34 हजार परिवारों को 2 लाख 72 हजार मीट्रिक टन खाद्यान्न का वितरण किया जा चुका है। शेष रहे परिवारों को 15 अप्रैल तक राशन का वितरण किया जाएगा। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के अंतर्गत सम्मिलित पात्र परिवारों को बायोमेट्रिक सत्यापन के आधार पर राशन का वितरण नियमित रूप से किया जा रहा है।

परिवार के किसी भी सदस्य द्वारा उचित मूल्य दुकानों पर जाकर पीओएस मशीन पर बायोमेट्रिक सत्यापन कर राशन वितरण की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

वृद्ध/दिव्यांगजन के बायोमेट्रिक सत्यापन विफल होने पर ऐसे हितग्राहियों को उनके आधार नंबर से लिंक मोबाईल नंबर पर ओटीपी भेजकर राशन का वितरण किया जाता है। शारीरिक रूप से अक्षम हितग्राही जो उचित मूल्य दुकान पर जाकर राशन प्राप्त नहीं कर सकते हैं, ऐसे लगभग 44 हजार 671 परिवार नामिनी के माध्यम से राशन लेने के लिये नामित किये गये हैं।

पात्र परिवार द्वारा वन नेशन वन राशनकार्ड के तहत देश/प्रदेश की किसी भी उचित मूल्य दुकान से राशन प्राप्त किया जा सकता है। मध्यप्रदेश के 36 हजार 486 परिवारों द्वारा अन्य राज्यों में तथा अन्य राज्यों के 7,252 परिवारों द्वारा मध्यप्रदेश में प्रति माह राशन प्राप्त किया गया है।

सतपाड़ा हाट गांव में अज्ञात बालिका की सूचना मिलने पर जिला प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई

विदिशा ,(निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता को आज सतपाड़ा हाट तहसील नटेरन जिला विदिशा में एक अज्ञात बालिका की सूचना प्राप्त हुई थी। कलेक्टर द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता कांसवा को उक्त अज्ञात बालिका को अपने संरक्षण में रखे जाने एवं माता पिता के बारे में पता लगाने संबंधी निर्देशित किया गया।

जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा संरक्षण अधिकारी श्री अनुज जैन एवं श्रीमती सरिता शुक्ला का दल बनाकर मौके पर भेजा गया। दल द्वारा मौके स्थल पर पहुंचकर सतपाड़ा हाट पुलिस चौकी से बालिका को अपने संरक्षण में लिया एवं बाल कल्याण समिति विदिशा के सामने प्रस्तुत किया गया।

बाल कल्याण समिति जिला विदिशा से अध्यक्ष राम बाबू प्रजापति, सदस्य चंद्रभान बघेल, सदस्य दिवान सिंह मीणा एवं श्रीमती लक्ष्मी शर्मा द्वारा संयुक्त आदेश से बालिका को शिशु गृह में रखने का आदेश किया गया है।

20 दिन बाद भी नहीं उठा 115 मीट्रिक टन गेहूं

नागरिक आपूर्ति निगम के स्टॉफ पर लगाए रुपए मांगने के आरोप, पहले भी की शिकायत

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम में नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबंधक के आदेश के बावजूद श्रीनाथ वेयरहाउस से 20 दिन बाद भी गेहूं का उठाव नहीं किया गया। जबकि नियमों के अनुसार माल 5 दिन के भीतर उठाया जाना चाहिए था। देरी के कारण वेयरहाउस संचालक परेशान हैं।

वेयरहाउस संचालक के प्रतिनिधि 73 वर्षीय मोहन पालीवाल ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि निगम की एक कनिष्ठ अधिकारी ऋतु कुमरे, प्रदाय केंद्र प्रभारी पिपरिया आयुष अवधिया और भरत कुमार(सर्वेयर) द्वारा गेहूं उठाने के लिए 20 रुपए प्रति क्विंटल की रिश्वत मांगी गई। राशि नहीं देने पर 20 दिन बाद भी 115 मीट्रिक टन गेहूं का उठाव नहीं किया गया।

2023-24 का गेहूं अब तक पड़ा, 23 मार्च को हुआ था आदेश

मोहन पालीवाल ने बताया कि उनकी पत्नी शोभा पालीवाल श्रीनाथ वेयरहाउस की संचालिका हैं और वे स्वयं प्रतिनिधि के तौर पर देखरेख करते हैं। वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर खरीदा गया करीब 115 मीट्रिक टन गेहूं शोभापुर स्थित वेयरहाउस में रखा है। इसके उठाव के आदेश 23 मार्च 2026 को दिए गए थे, लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं हुई।

पालीवाल ने बताया कि वर्ष 2021-22 में भी उनके वेयरहाउस में रखा 169.77 क्विंटल गेहूं खराब हो गया था। इसे डीसीसी घोषित कर दिया गया, जिसकी जानकारी उन्हें नहीं दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कर्मचारियों की मिलीभगत से हुआ।

पहले भी शिकायत, कार्रवाई नहीं; फिर की नई शिकायत

उन्होंने बताया कि 5 मार्च को जिला प्रबंधक और क्षेत्रीय प्रबंधक को लिखित शिकायत दी थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद 13 अप्रैल को दोबारा शिकायत की गई है।

अधिकारी बोले- शिकायत आएगी तो जांच कराएंगे

नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबंधक सुरेश सनखेरे ने कहा कि उन्होंने तीन दिन पहले ही पदभार संभाला है और मामला उनके संज्ञान में नहीं है। यदि शिकायत मिलती है तो जांच कराई जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि खराब गुणवत्ता वाले माल के कारण भी उठाव में देरी हो सकती है और रिश्वत मांगने के आरोपों के लिए ठोस प्रमाण जरूरी हैं।

ट्रंप ने दिया मौका भारत ने लपक लिया

7 साल में पहली बार हुआ ऐसा, ईरान भी खुश

नई दिल्ली, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के बीच भारत को ईरान से लगभग 40 लाख बैरल कच्चा तेल (क्रूड) मिला है। करीब सात सालों में यह पहली बार है जब भारत ने ईरान से कच्चा तेल खरीदा है। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने ईरानी तेल खरीद के लिए एक डेडलाइन तय की है। भारत इस समयसीमा से पहले ही सप्लाई सुरक्षित करना चाहता है। यह डेडलाइन

इस वीकेंड पर खत्म हो रही है। भारत आयातित ऊर्जा पर बहुत अधिक निर्भर है। यह चीज उसे कीमतों में उतार-चढ़ाव के प्रति संवेदनशील बनाती है। भारत ने फरवरी के अंत से ग्लोबल ऑयल फ्लो में आई रुकावटों का असर महसूस किया है। अमेरिका और इजरायल की ओर से ईरान पर किए गए हमलों के बाद ऐसा हुआ है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में मामले से परिचित सूत्रों और इंटेलिजेंस फर्मों केप्लर और वोर्टेक्सा के जहाज-ट्रैकिंग डेटा का हवाला दिया गया है। इसमें बताया गया है कि 'जया' नाम का एक बड़ा क्रूड कैरियर इस समय भारत के पूर्वी तट पर स्थित पारादीप में अपना माल उतार रहा है। यह ईरानी तेल से पूरी तरह भरा हुआ है। एक अन्य टैंकर 'फेलिसिटी' पश्चिमी तट पर स्थित सिक्का में इसी तरह का काम कर रहा है। ब्लूमबर्ग न्यूज के मुताबिक, ये दोनों जहाजों के शुक्रवार तक भारतीय बंदरगाहों से रवाना होने की उम्मीद है। इन पर अमेरिका के प्रतिबंध लगे हुए हैं। पारादीप में कच्चे तेल की खेप को संभालने का काम इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन करता है। वहीं, सिक्का का इस्तेमाल रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन की ओर से किया जाता है। ये इस क्षेत्र में एक 'सिंगल-पॉइंट मूरिंग' फैसिलिटी को ऑपरेट करते हैं।

ईरानी तेल के साथ पेमेंट की मुश्किल

पिछले साल तक भारत समंदर के रास्ते आने वाले रूसी कच्चे तेल का प्रमुख आयातक था। उसने इन खरीदों में तेजी से बढ़ोतरी की थी। हालांकि, लगातार जारी वित्तीय प्रतिबंधों के कारण रिफाइनरियों को ईरानी खेप की खरीद और उसके पेमेंट में अधिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। भारत ने संकेत दिया था कि सप्लाई में जारी कमी से निपटने के लिए वह अन्य स्रोतों के साथ ईरान से भी कच्चा तेल खरीदेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि टैंकर 'जया' और 'फेलिसिटी' की ओर से लाई गई खेप का आगमन दिखाता है कि इन आयातों को सुगम बनाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं की गई हैं।

भारत पर बढ़ता दबाव

पेट्रोल-डीजल के दाम न बढ़ाकर रोक रखा है सैलाब, हर दिन 1,600 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में पेट्रोल पंप पर ईंधन की कीमतें अभी स्थिर दिख रही हैं। लेकिन, पर्दे के पीछे कहानी बिगड़ी हुई है। तेल कंपनियां इन कीमतों को ऐसे ही बनाए रखने के लिए भारी नुकसान उठा रही हैं। इंडस्ट्री के जानकारों के मुताबिक, सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियां (ओएमसी) मिलकर हर दिन करीब 1,600 करोड़ रुपये का नुकसान उठा रही हैं। इन कंपनियों में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड शामिल हैं। यह ऐसे समय में हो रहा है जब 28 फरवरी को ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से भू-राजनीतिक तनाव बढ़ा है। इसके कारण कच्चे तेल की ग्लोबल कीमतें बढ़ गई हैं। वहीं, भारत में खुदरा ईंधन की कीमतें काफी हद तक जस की तस रही हैं। 135-165 डॉलर प्रति बैरल की मौजूदा (स्पॉट) पेट्रोल-डीजल कीमतों पर हमारा अनुमान है कि भारत की तेल मार्केटिंग कंपनियों को पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर 18 रुपये और 35 रुपये प्रति लीटर का नुकसान हो रहा है। अगर घरेलू ईंधन की कीमतें कच्चे तेल के वैश्विक रुझानों को पूरी तरह से दर्शातीं तो मौजूदा अनुमानों के अनुसार, पेट्रोल लगभग 113 रुपये प्रति लीटर और डीजल 123 रुपये प्रति लीटर बिक रहा होता। इसके बजाय ओएमसी इस अंतर को खुद

वहन कर रही हैं। पेट्रोल-डीजल की कीमतों को नियंत्रण-मुक्त करने के बावजूद इन कंपनियों ने अप्रैल 2022 के बाद से खुदरा दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। सूत्रों के हवाले से पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, इससे नुकसान बढ़कर पेट्रोल पर लगभग 18 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 35 रुपये प्रति लीटर हो गया है। मैक्वेरी ग्रुप की एक रिपोर्ट ने इस दबाव की गंभीरता का जिक्र किया। रिपोर्ट में कहा गया, '135-165 डॉलर प्रति बैरल की मौजूदा (स्पॉट) पेट्रोल-डीजल कीमतों पर हमारा अनुमान है कि भारत की तेल मार्केटिंग कंपनियों को पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर 18 रुपये और 35 रुपये प्रति लीटर का नुकसान हो रहा है।' रिपोर्ट में आगे कहा गया, 'कच्चे तेल की कीमतों में हर 10 डॉलर प्रति बैरल की बढ़ोतरी से मार्केटिंग में होने वाला नुकसान लगभग 6 रुपये प्रति लीटर बढ़ जाता है।' एक समय जब कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ी थीं तो दैनिक नुकसान 2,400 करोड़ रुपये तक पहुंच गया था। इसके बाद यह कम होकर मौजूदा 1,600 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। सरकार ने इस दबाव को कुछ हद तक कम करने के लिए हस्तक्षेप किया है। लेकिन, इसकी भी एक कीमत चुकानी पड़ी है। पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क यानी एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती से ओएमसी पर पड़ने वाले बोझ को कम करने में मदद मिली। हालांकि, कंपनियों ने इस लाभ को उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के बजाय अपने नुकसान की भरपाई करने के लिए इसे खुद ही रखा।

फास्टैग से अलग गाड़ी का नंबर तो होगा बंद, ब्लैक लिस्ट में डाल दिया जाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आपका फास्टैग का नंबर आपकी गाड़ी के नंबर से मेल नहीं खाता है तो सावधान हो जाएं। ये आपस में मैच नहीं करते हैं तो आपका फास्टैग बंद कर ब्लैक लिस्ट में डाला जा सकता है। टोल प्लाजाओं पर फास्टैग से टोल कटते हुए फास्टैग रीडर और गाड़ी नंबर का मेल ना खाने के बाद मिली इस तरह की शिकायतों पर अमल करते हुए एनएचएआई ने फास्टैग जारी करने वाले सभी बैंकों से कहा है कि वह इनका मिलान करें। नहीं कहीं ऐसा तो नहीं कि इसमें किसी तरह की हेराफेरी की जा रही हो। अगर किसी फास्टैग में कोई गड़बड़ी मिलती है तो उसे ब्लैक लिस्ट में डाल दिया जाए। एनएचएआई ने स्टेटमेंट जारी करते हुए कहा है : इस तरह की किसी भी विसंगति से बचने के लिए इसे क्रॉस चेक करना जरूरी है। इसका मकसद यह है कि सिस्टम में कहीं कोई लीकेज ना रहे। यह देखा गया है कि इस तरह की विसंगतियों की एक बड़ी संख्या गाड़ी डेटाबेस में दर्ज होने से पहले जारी किए गए फास्टैग से संबंधित है। इस अवधि के दौरान जांच व्यवस्था अपेक्षाकृत सीमित थी और 'मैन्युअल' प्रक्रियाओं पर अधिक निर्भर थी। एनएचएआई ने कहा है कि उसने विशेष रूप से आने वाले समय में देश में 'मल्टी-लेन फ्री फ्लो' (एमएलएफएफ) टोलिंग जैसे सिस्टम को देखते हुए फास्टैग के साथ वीआरएन मैपिंग की सटीकता सुनिश्चित करने पर जोर दिया है।

पहले की तरह धड़ाधड़ गैस सिलेंडर मिलने में लगेंगे कई साल, सप्लाई चेन चरमराई

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनियाभर में एलपीजी सप्लाई चेन में रुकावट आई है। इसे ठीक होने में तीन से चार साल लग सकते हैं। अभी यह साफ नहीं है कि प्रोडक्शन कुछ समय के लिए रुका है या उसे हमेशा के लिए नुकसान पहुंचा है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के हवाले से 'मनी कंट्रोल' ने यह जानकारी दी है। इसका सीधा मतलब है कि पहले की तरह धड़ाधड़ एलपीजी गैस सिलेंडर मिलने में अभी कई साल का इंतजार करना पड़ सकता है। यह भारत के लिए अच्छा नहीं है। अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर 'मनी कंट्रोल' से कहा, 'प्रभावित सप्लायरों से मिली जानकारी के आधार पर सप्लाई को फिर से शुरू करने में कम से कम तीन साल और शायद उससे भी ज्यादा समय लग सकता है।' उन्होंने भारत के बढ़ते आयात जोखिमों और लागत के दबाव की ओर भी इशारा किया। युद्ध से पहले और बाद की स्थिति

ईरान युद्ध शुरू होने से पहले इस सप्लाई का लगभग 90 फीसदी हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते ही आता था। 24 मार्च तक खाड़ी देशों से होने वाले आयात का हिस्सा घटकर 55 फीसदी रह गया था। यह इस बात का संकेत है कि सप्लाई में रुकावट आई है। साथ ही भारत ने सप्लाई के नए स्रोत भी खोजे हैं। रुबिक्स डेटा साइंसेज और वयाना ट्रेडएक्सचेंज की अप्रैल में आई एक रिपोर्ट के

अनुसार, सप्लाई के रास्ते बदलने और नए स्रोत खोजने के बाद भी सप्लाई में रुकावट का असर 40-50 फीसदी तक बना रह सकता है। रुबिक्स डेटा साइंसेज रिस्क मैनेजमेंट और एनालिटिक्स कंपनी है। वहीं, वयाना ट्रेडएक्सचेंज सप्लाई-चेन फाइनेंस और ट्रेड डेटा का एक प्लेटफॉर्म है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत की सालाना एलपीजी मांग लगभग 3.3 करोड़ टन है। मार्च के मध्य तक भारत के पास केवल 15 दिनों की खपत के बराबर ही एलपीजी का भंडार मौजूद था।

ऐसे में सप्लाई के स्रोतों में बदलाव होने से कम समय के लिए सप्लाई में रुकावट का जोखिम बढ़ जाता है। कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव का भी सामना करना पड़ सकता है। मार्च के मध्य से घरेलू 14.2 किलो एलपीजी सिलेंडरों की कीमतें 60 रुपये बढ़ गई हैं। इसी दौरान कमर्शियल सिलेंडरों की कीमतों में 115 रुपये का इजाफा हुआ है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब, कतर, कुवैत, बहरीन और ओमान ने मिलकर वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की 92 फीसदी एलपीजी की सप्लाई की।

कोरोना महामारी वाले इंतजामों पर नजर

अधिकारी ने बताया कि सरकार घरों तक एलपीजी की लगातार सप्लाई सुनिश्चित करने पर ध्यान दे रही है। साथ ही कमी को पूरा करने के लिए सप्लाई के नए विकल्प भी तलाश रही है। अधिकारी के मुताबिक, 'आपकी एलपीजी सप्लाई बहाल होने में समय लग सकता है। कारण है कि एलपीजी के कुछ बहुत ही जरूरी स्रोत बंद हो गए हैं। 'बंद होने' का ठीक-ठीक क्या मतलब है, यह अभी पूरी तरह साफ नहीं है। या तो कुएं पूरी तरह सूख गए हैं या फिर प्रोडक्शन रोक दिया गया है।

भारत के बड़े शहरों में होटल के कमरे खाली

युद्ध ने बिगाड़ा काम

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध की वजह से भारत के कई सेक्टरों पर सीधा असर पड़ा है। होटल और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर भी इससे अछूता नहीं है। बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे जीसीसी शहरों में होटलों की ऑक्यूपेंसी गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। कारण है कि भारत आने वाले ज्यादातर विदेशी यात्री दुबई, अबू धाबी और दोहा जैसे एविएशन हब से होकर आते हैं। जीसीसी यानी ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर ऐसे केंद्र होते हैं जिन्हें बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां (एमएनसी) अपने देश से बाहर दूसरे देशों में स्थापित करती हैं। इनमें हैदराबाद, बेंगलुरु, पुणे, दिल्ली-एनसीआर जैसे शहर शामिल हैं। 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल ने ईरान पर हमले किए। ईरान ने भी पलटवार किया। उसने कई खाड़ी देशों में अमेरिकी अड्डे को निशाना बनाया। इससे यह संकट पूरे क्षेत्र में फैल गया। इसने हवाई यातायात को भी प्रभावित किया। शैले होटल्स के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ श्वेतांक सिंह ने बिजनेस टुडे को बताया, 'पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध की वजह से होटल

बिजनेस पर असर पड़ा है। विदेशी पर्यटकों के आने में कमी आई है। इसका असर बड़े शहरों के बड़े होटलों की ऑक्यूपेंसी पर पड़ा है।' सिंह ने कहा, 'मिडिल ईस्ट के रास्ते यात्रा करने वाले लोगों की संख्या बहुत ज्यादा है। अगर मैं अपने पोर्टफोलियो को देखूं तो 40 प्रतिशत बिजनेस विदेशी पर्यटकों से आता है। बड़े शहरों के बड़े होटलों का हिस्सा हमारे पोर्टफोलियो में लगभग 60 प्रतिशत है। साफ तौर पर इसका असर दिख रहा है।' उन्होंने आगे कहा, 'ये यात्री होटल के अंदर ज्यादा खर्च करते हैं। ज्यादा समय तक रुकते हैं। वे अपने साथ एक पूरा ग्रुप लेकर चलते हैं।' सिंह ने बताया, 'हालांकि, लक्जरी रिजॉर्ट का बिजनेस अच्छा चल रहा है। लेकिन, कुल मिलाकर हमें जितना फायदा हुआ है, उससे ज्यादा नुकसान हुआ है। मार्च में ऑक्यूपेंसी 10 प्रतिशत तक गिर गई है। जीसीसी से जुड़ी यात्राओं की वजह से बेंगलुरु और हैदराबाद पर इसका बहुत गहरा असर पड़ा है।' हालांकि, प्रीमियम हॉस्पिटैलिटी अनुभवों की बुनियादी मांग अभी भी बनी हुई है। इस पर भू-राजनीतिक हालात की वजह से कुछ हद तक असर पड़ा है। पिट्टी ने आगे कहा, 'मार्च के महीने में हमने बड़े शहरों के लक्जरी होटलों की बुकिंग में अचानक आई भारी गिरावट के बजाय कुछ हद तक बदलाव या रीकैलिब्रेशन देखा है। हालांकि, पश्चिम एशिया में हो रहे भू-राजनीतिक घटनाक्रमों की वजह से अंतरराष्ट्रीय यात्रा के कुछ खास हिस्सों पर असर पड़ा है। लेकिन, घरेलू यात्रियों और बिजनेस ट्रैवल्स के सहारे कुल मांग काफी हद तक स्थिर बनी हुई है।' हवाई किराए में हुई भारी बढ़ोतरी का भी मांग पर असर पड़ रहा है। पिट्टी ने कहा, 'फ्यूल सरचार्ज और ऑपरेशनल खर्चों में बढ़ोतरी की वजह से हवाई किराए में भी बढ़ोतरी देखने को मिली है। घरेलू रूट्स पर किराए में लगभग 5-10 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

पीएफ खाते से विड्रॉल टीडीएस बचाने के लिए अब नहीं चलेंगे पुराने फॉर्म, बदल गया है नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएफ खाताधारकों के लिए टैक्स से जुड़े नियम बदल गए हैं। अब पीएफ से पैसा निकालते समय टीडीएस बचाने के लिए पुराने फॉर्म नहीं चलेंगे। इनकी जगह फॉर्म 121 शुरू किया है। नियम 1 अप्रैल से लागू है। फॉर्म भरने वाले को यह सुनिश्चित करना होगा कि उसकी साल भर की टैक्स लायबिलिटी जीरो है। कंपनियां, फर्में और एनआरआई इस फॉर्म को भरने के पात्र नहीं हैं। 13 अप्रैल को जारी अपने सर्कुलर में ईपीएफओ ने बताया कि पहले 60 साल से कम उम्र के लोग फॉर्म 15त्न भरते थे और सीनियर सिटीजन फॉर्म 15॥ का इस्तेमाल करते थे। अब इन दोनों की जगह केवल फॉर्म 121 इस्तेमाल होगा। यह फॉर्म केवल उन लोगों के लिए है जिनकी पूरे साल की कुल अनुमानित कमाई पर टैक्स की देनदारी शून्य है। यानी अगर आपकी सालाना कमाई टैक्स छूट की सीमा से कम है, तो आप इस फॉर्म को भरकर अपनी

इनकम बिना ञ्जष्ठस् कटे हासिल कर सकते हैं। ईपीएफओ ने साफ किया है कि यह फॉर्म सबके लिए जरूरी नहीं है। यह केवल उन लोगों के लिए है जो टीडीएस कटने से बचना चाहते हैं। ईपीएफओ ने कहा है कि 1 अप्रैल के बाद अगर किसी ने पुराने फॉर्म के साथ क्लेम फाइल कर दिया है, तो उसे रिजेक्ट करके वापस नहीं भेजा जाएगा। हालांकि, कर्मचारी से फॉर्म 121 लेने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले लोगों के लिए पीएफ एक अनिवार्य सरकारी बचत योजना है। इसमें कर्मचारी अपनी बेसिक सैलरी का 12 प्रतिशत हिस्सा कंट्रीब्यूट करता है जबकि कंपनी भी इतना ही योगदान देती है। एम्प्लॉयर के कंट्रीब्यूशन में से 8.33 प्रतिशत कर्मचारी पेंशन योजना में जाता है।

100 करोड़ की डील ने बदली किस्मत! 16 प्रतिशत उछला रियल एस्टेट स्टॉक

नई दिल्ली, एजेंसी। रियल एस्टेट सेक्टर की कंपनी सूरज एस्टेट डेवलपर्स के शेयरों में हाल ही में जबरदस्त तेजी देखने को मिली, जिसने निवेशकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। कंपनी के शेयर एक

ही दिन में करीब 16 प्रतिशत तक उछल गए, जिसकी सबसे बड़ी वजह मुंबई के दादर (वेस्ट) इलाके में एक नई लैंड डील है। कंपनी ने इस जमीन को करीब 18 करोड़ की कुल लागत (कैश + एरिया) में हासिल किया है, जबकि इस प्रोजेक्ट से संभावित ग्रॉस डेवलपमेंट वैल्यू करीब 100 करोड़ बताई जा रही है। आसान भाषा में समझें तो कंपनी इस जमीन पर नया प्रोजेक्ट बनाकर लगभग 100 करोड़ का बिजनेस करने की उम्मीद कर रही है, जो निवेशकों के लिए पॉजिटिव संकेत माना जाता है। यह जमीन मुंबई के दादर जैसे प्राइम लोकेशन में है, जहां रियल एस्टेट की डिमांड हमेशा बनी रहती है। कंपनी इस प्लॉट पर री-डेवलपमेंट प्रोजेक्ट शुरू करेगी, जिसमें करीब 0.18 लाख स्क्वॉयर फीट का सेलएबल एरिया तैयार किया जाएगा, यानी कंपनी पुराने स्ट्रक्चर को हटाकर नया प्रोजेक्ट बनाएगी और उसे बेचकर मुनाफा कमाएगी। यही वजह है कि बाजार ने इस खबर को पॉजिटिव तरीके से लिया और शेयर में तेजी आ गई।

अगर शेयर के पिछले प्रदर्शन पर नजर डालें तो यह स्टॉक अपने 52 हफ्ते के हाई 398 से अभी भी काफी नीचे ट्रेड कर रहा है, लेकिन हाल की तेजी यह दिखाती है कि निवेशकों का भरोसा फिर से लौट रहा है। वहीं, यह अपने 52 हफ्ते के लो 168.80 से काफी ऊपर आ चुका है, जो संकेत देता है कि इसमें रिकवरी का ट्रेंड चल रहा है। कंपनी का मार्केट कैप करीब 1,000 करोड़ से थोड़ा ज्यादा है, यानी यह एक स्मॉल-कैप कंपनी है, जहां ग्रोथ की संभावना ज्यादा होती है, लेकिन जोखिम भी उतना ही रहता है।

डायबिटीज के आंकड़ों ने दिया आइडिया, नौकरी को मारी लात, अब सालाना 2 करोड़ की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। हर्षवर्धन एस बेंगलुरु के रहने वाले हैं। नौकरी छोड़कर उन्होंने सफल ब्रांड खड़ा कर दिया है। भारत में डायबिटीज के डरावने आंकड़ों और खान-पान की गलत आदतों ने उन्हें इसका आइडिया दिया। उनके ब्रांड का नाम लिल गुडनेस है। इसकी नींव उन्होंने अपने दोस्त दमनबीर सिंह के साथ डाली। यह ब्रांड हेल्दी स्नैक्स और पोषण से भरपूर फूड आइटम बेचता है। अब वे इससे सालाना 2 करोड़ की कमाई कर रहे हैं। आइए, यहां हर्षवर्धन एस की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। हर्षवर्धन एस पहले टाटा हेल्थ में नौकरी करते थे। जॉब के दौरान तेलंगाना सरकार के साथ मिलकर किए गए एक स्क्रीनिंग प्रोग्राम ने उनकी आंखें खोल दीं। करीब 13 लाख लोगों की जांच में 2,600 लोग गंभीर डायबिटीज से पीड़ित पाए गए। बड़ी बात यह कि उन्हें अपनी बीमारी का अंदाजा तक नहीं था। इस अनुभव ने हर्षवर्धन को झकझोर दिया। उन्होंने महसूस किया कि समाज में मेटाबॉलिक विकारों को रोकने के लिए न्यूट्रीशन के स्तर पर बड़े बदलाव की जरूरत है। इसी सामाजिक सरोकार को पूरा करने के लिए उन्होंने अपनी जमी-जमाई नौकरी छोड़ने का साहसी फैसला लिया।

इस बात पर किया फोकस

हर्षवर्धन ने हेल्थ के साथ टेस्ट के कॉम्बिनेशन पर फोकस किया। 'प्रीबायोटिक डार्क चॉकलेट' पेश की। इसकी कीमत सिर्फ 20 रुपये रखी गई। मकसद था कि हर तबके तक यह पहुंचे। इसके अलावा उनके उत्पादों में क्विनोआ और टेफ जैसे सुपर ग्रेंस से बने स्नैक्स और 40 प्रतिशत कम चीनी वाले मिल्क शेक शामिल हैं। उन्होंने पैकेजिंग को भी खास बनाया। इसमें एवेंजर्स और डिज्नी के किरदारों के जरिए बच्चों को गट-हेल्थ के प्रति जागरूक किया जाता है। हर्षवर्धन ने 19 फुल-टाइम कर्मचारियों और करीब 70 वंचित वर्ग की महिलाओं को रोजगार देकर अपनी परोपकारी सोच को भी कायम रखा है। आने वाले समय में वह अपनी पहुंच 10,000 स्टोर्स तक बढ़ाने और स्कूल कैंटीनों में अपनी जगह बनाने की योजना पर काम कर रहे हैं।

2020 में रखी ब्रांड की नींव

हर्षवर्धन के इस सफर में एक बड़ा मोड़ तब आया जब उसी साल वह एक बेटी के पिता बने। एक पिता के तौर पर वह चाहते थे कि उनकी बेटी को बचपन से ही बाजार में उपलब्ध मिलावटी और बहुत ज्यादा शुगर वाले स्नैक्स के बजाय हेल्दी ऑप्शन मिलें। उन्होंने महसूस किया कि बाजार में मिलने वाली सस्ती चॉकलेट्स में सिर्फ शुगर और वेजिटेबल फैट होता है। वहीं, हेल्दी ऑप्शन आम आदमी की जेब से बाहर हैं। इसी कमी को दूर करने के लिए उन्होंने 2020 में अपने साथी दमनबीर सिंह के साथ मिलकर लिल गुडनेस की शुरुआत की। अपनी शुरुआत होने से सिर्फ तीन सालों में ब्रांड देश के करीब 4,000 किराना स्टोर तक पहुंच गया। अब तक 16 लाख से अधिक ग्राहकों ने इसकी सेवाएं ली हैं। इसका टर्नओवर सालाना 2 करोड़ हो गया है।

'खिलाड़ी डरते हैं, नहीं जाना चाहते'

मुनाफ पटेल ने लगाए NCA में ठीक से काम न होने का आरोप

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों की देखभाल की जिम्मेदारी बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी (अब सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) पर होती है। सीओई खिलाड़ियों के शरीर और फिटनेस का ध्यान रखता है, चोटिल होने पर वह वही रिहैब करते हैं। भारत के पूर्व क्रिकेटर मुनाफ पटेल ने एनसीए के कामकाज पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बताया कि फिजियो और ट्रेनर जिम्मेदारी नहीं लेना चाहते। मुनाफ ने कहा कि एनसीए को 100 प्रतिशत बदलना होगा। वह आज भी उसी ढर्रे पर चल रहा जिस पर वह 2000 में शुरू होने पर चल रहा था,

जबकि ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों की ऐसी व्यवस्था दर्जनों बार बदलाव से गुजरी है।

मुनाफ पटेल ने टाइम्स ऑफ इंडिया को इंटरव्यू देते हुए कहा, 'ईमानदारी से फिजियो और ट्रेनर जिम्मेदारी लेना नहीं चाहते। उनका वर्कलोड बढ़ जाता है। आप सेटअप देखो। आप एनसीए के सेटअप में घुस जाओ आपको पूरा सिस्टम पता चल जाएगा। आपको कहीं और नहीं जाना है। एनसीए को 100 प्रतिशत बदलना होगा। पूरे वर्ल्ड के सिस्टम को बीसीसीआई चला रहा है। मैं इंजर्ड हुआ। मुझे एनसीए जाना है। क्यों जाना है फिट होने के लिए। मतलब मैं ऐसा बॉलर हूं कि मेरी गलती नहीं है। मैं ऐसा बैट्समैन हूं कि मेरी गलती नहीं है तो एनसीए फिटनेस सेंटर रखा हुआ आपने। अस्पताल बन गया है। आप फिट हो जाओ वापस आ जाओ सीधे टीम में हो और वो परमिशन दे रहा है।'

प्लेयर्स भी एनसीए जाने से डरते हैं– मुनाफ पटेल ने कहा, 'एनसीए दे रहा है तो मेरी गलती नहीं है मेरी गलती भी तो सुधारेगा कोई बंदा जो बॉलिंग कोच आपको रखा हुआ है या बैटिंग कोच वहां रखा हुआ है तो आप कितने दिन वर्क करते हो उनके पीछे वो बता दो जरा। प्लेयर्स भी एनसीए जाने से डरते हैं। कोई जाना नहीं चाहता है।

बच गई इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स की जान

इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान का चेहरे पर लगी चोट को लेकर खुलासा

नई दिल्ली। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स चेहरे पर लगी चोट से उबर रहे हैं। उन्होंने खुलासा किया है कि भाग्यशाली रहे कि गेंद एक–दो इंच इधर या उधर नहीं लगी। ऐसा होता तो वह जान गंवा सकते थे। स्टोक्स इस चोट से उबरकर मई में मैदान पर वापसी करने की कोशिश में हैं। उनकी योजना है कि जून में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले तीन प्रथम श्रेणी मैच खेलने की है। वह इंग्लैंड लायंस के लिए भी खेलते दिख सकते हैं।

इंग्लैंड को पिछली टेस्ट सीरीज में ऑस्ट्रेलिया से एशेज के दौरान 4–1 से हार का सामना करना पड़ा था। इस दौरान स्टोक्स ग्रोइन इंजरी हुई। इसकी उन्होंने सर्जरी कराई। वह अप्रैल–मई में काउंटी चैंपियनशिप के दौरान मैदान पर उतरने की कोशिश में थे, लेकिन वह घरेलू टीम डरहम को कोचिंग देते हुए चोटिल हो गए। अभ्यास सत्र के दौरान एकेडमी के एक खिलाड़ी का शॉट स्टोक्स के चेहरे पर लगी। इसके कारण मैदान पर वापसी में देरी हो गई। इसी चोट को लेकर स्टोक्स ने खुलासा किया उनकी जान जा सकती थी।

स्टोक्स ने क्या कहा?

ईसीबी के दिए इंटरव्यू में स्टोक्स ने कहा, 'चेहरे पर चोट लगी। यह बहुत गंभीर थी, लेकिन मजेदार बात यह है कि बुरे समय में यह सबसे बेहतर परिणाम था। मैंने अपना सिर नहीं मोड़ा होता तो एक–इंच इधर या उधर गेंद लगती और मैं आज यहां इंटरव्यू नहीं कर रहा होता।

लखनऊ सुपर जायंट्स को झटका

ऋषभ पंत चोटिल

आरसीबी के खिलाफ कीपिंग करने नहीं उतरे

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 (IPL 2026) में बुधवार (15 अप्रैल) को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ लखनऊ सुपर जायंट्स को बड़ा झटका लगा। कप्तान ऋषभ पंत चोटिल होने के कारण कीपिंग करने नहीं उतरे। मुकुल चौधरी ने उनकी जगह कीपिंग की जिम्मेदारी संभाली। पंत की गैर-मौजूदगी में निकोलस पूरन ने कप्तानी की जिम्मेदारी संभाली। पंत को बल्लेबाजी के दौरान बाएं हाथ की कोहनी पर चोट लगी थी। इसके कारण उन्हें रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा। बाद में वह बल्लेबाजी के लिए आए, लेकिन कुछ खास नहीं कर पाए।

आरसीबी के खिलाफ मैच में ऋषभ पंत नंबर-3 पर बल्लेबाजी के लिए उतरे। एडेन मार्करराम को रासिख सलाम डार ने चौथे ओवर में पवेलियन भेजा था। उन्होंने 12 रन बनाए थे। पंत ने पांचवें ओवर में पहली गेंद का सामना किया। उन्हें चौथी गेंद पर चोट लगी। हेजलवुड ने ऑफ स्टंप से बागर शॉर्ट गेंद की थी। पंत ने लेग साइड में शॉट लगाने की कोशिश की। गेंद ने बल्ले का किनारा लिया और उनकी कोहनी पर लगकर विकेटकीपर के पास गई।

पंत रिटायर्ड हर्ट

इसके बाद पंत दर्द में दिखे। लखनऊ सुपर जायंट्स के फिजियो पैट्रिक फरहार्ट उनका उपचार करने मैदान पर पहुंचे। दर्द के कारण पंत को बल्लेबाजी छोड़कर पवेलियन लौटना पड़ा। वह 16वें ओवर में आयुष बदोनी के आउट होने के बाद बल्लेबाजी के लिए लौटे। उनकी बाईं कोहनी पर पट्टी बंधी थी।

पंत बल्लेबाजी के लिए लौटे

रसिख सलाम की ऑफ स्टंप से बाहर की फुलटॉस गेंद पर पंत शॉट लगाने से चूक गए। उन्होंने पांचवीं गेंद पर खाता खोला, लेकिन भाग्यशाली रहे कि शॉर्ट थर्ड मैन पर सुयस शर्मा कैच नहीं लपक पाए। पंत को तीन गेंद बाद ही भुवनेश्वर कुमार ने पवेलियन भेजा। डीप मिड विकेट पर फिल साल्ट ने शानदार कैच लपका। इस तरह से पंत 6 गेंद पर 1 रन बनाकर पवेलियन लौटे। लखनऊ सुपर जायंट्स की बल्लेबाजी काफी खराब रही और टीम 146 पर आउट हो गई।

मुंबई इंडियंस को झटक

पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच से बाहर हो सकते हैं रोहित शर्मा

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच से पहले मुंबई इंडियंस को झटका लगा है। रोहित शर्मा गुरुवार (16 अप्रैल) के मैच से लगभग बाहर हो गए हैं। फिलहाल वह टीम के मेडिकल स्टाफ की निगरानी में हैं। पिछले रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ बड़े स्कोर वाले मैच के दौरान मुंबई इंडियंस की पारी के छठे ओवर में रोहित को पैर की मांसपेशियों में परेशानी महसूस हुई थी। इसके बाद वह मैदान से बाहर चले गए थे। रोहित शर्मा रिटायर्ड हर्ट होकर बाहर गए तब वह 13 गेंद पर 19 रन बनाकर खेल रहे थे। इसके बाद मुंबई इंडियंस यह मैच 18 रन से हार गई जो मौजूदा सत्र में टीम की लगातार तीसरी हार थी। मुंबई इंडियंस के ट्रेनिंग सत्र के दौरान बुधवार (15 अप्रैल) को टीम के एक अधिकारी ने रोहित को लेकर कहा, 'मेडिकल टीम और कोचिंग स्टाफ उनकी जांच कर रहे हैं और हमें जल्द ही पता चल जाएगा।'

विल जैक्स जल्द मुंबई इंडियंस से जुड़ेंगे

इस बीच इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स जल्द ही मुंबई इंडियंस से जुड़ने वाले हैं। वह मौजूदा सत्र में अब तक टीम के चारों मैच से बाहर रहे हैं और गुरुवार (16 अप्रैल) को भी नहीं खेल पाएंगे। जैक्स और न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनर (अब तक दो मैच खेले हैं) ने भारत में टीम से जुड़ने से पहले कुछ और समय मांगा था।

आरसीबी ने लखनऊ को 5 विकेट से हराया

29 गेंद पहले मैच खत्म

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 23वें मैच में बुधवार (15 अप्रैल) को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने लखनऊ सुपर जायंट्स (स्स्त्र) को 5 विकेट से हरा दिया। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। लखनऊ सुपर जायंट्स 146 रन पर आउट हुई। लखनऊ के लिए मिचेल मार्श, मुकुल चौधरी और आयुष बदोनी ही 30 का आंकड़ा पार कर पाए। 147 रन के लक्ष्य के जवाब में आरसीबी ने 15.1 ओवर में 5 विकेट पर 149 रन बना लिए। चोट के कारण इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेले विराट कोहली ने बेहतरीन बल्लेबाजी की। आरसीबी इस जीत के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंची।

ऋषभ पंत चोटिल होकर रिटायर्ड हर्ट हुए। बाद में बल्लेबाजी के लिए आए, लेकिन कुछ खास नहीं कर पाए। आरसीबी के लिए रसिख सलाम डार और भुवनेश्वर कुमार

ने शानदार गेंदबाजी की। जोश हेजलवुड ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया।लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए मिचेल मार्श ने 32 गेंद 40 रन बनाए।

मकुल चौधरी ने 28 गेंद पर 39 रन बनाए। आयुष बदोनी ने 24 गेंद पर 38 रन बनाए। एडेन मार्कराम ने 8 गेंद पर 12 रन बनाए। जॉर्ज लिंडे 7, ऋषभ पंत, निकोलस पूरन और आवेश खान 1-1 रन बनाकर आउट हुए।

अब्दुल समद और मोहम्मद शमी खाता नहीं खोल पाए। दिग्वेश राठी बगैर खाता खोले नाबाद रहे। आरसीबी के लिए रसिख सलाम डार ने 4, भुवनेश्वर कुमार ने 3 और क्रुणाल पंड्या ने 2 विकेट लिए। जोश हेजलवुड को 1 विकेट मिला, लेकिन उन्होंने केवल 20 रन दिए। आरसीबी के लिए विराट कोहली ने 34 गेंद पर 49 रन बनाए। रजत पाटीदार ने 13 गेंद पर 27, जितेश शर्मा ने 9 गेंद पर 23 र बनाए। टिम डेविड और रोमारियो शेफर्ड ने 14-14 रन बनाए। देवदत्त पडिक्कल ने 10 और फिल साल्ट ने 7 रन बनाए।

आरसीबी शीर्ष पर, विराट कोहली का ऑरेंज कैप पर कब्जा, प्रसिद्ध के सिर पर्पल कैप

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 23 वें मैच में बुधवार (15 अप्रैल) को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 5 विकेट के हारकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर कब्जा जमा लिया। लखनऊ सुपर जायंट्स 4 अंक के साथ सातवें स्थान पर है। वह 5 में से 2 मैच हार गई है। राजस्थान रॉयल्स दूसरे, पंजाब किंग्स तीसरे और सनराइजर्स हैदराबाद चौथे नंबर पर है। दिल्ली कैपिटल्स पांचवें नंबर पर है। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेले विराट कोहली ने 49 रनों की पारी खेली। उन्होंने ऑरेंज कैप पर कब्जा जाम लिया। सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन उनसे 4 रन से पीछे हैं।

NADA की RTP सूची में बड़ा बदलाव

श्रेयस-स्मृति मंधाना की जगह अभिषेक शर्मा-अक्षर पटेल; गिल-बुमराह समेत कई स्टार बरकरार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी की पंजीकृत परीक्षण पूल सूची में इस बार बड़ा बदलाव देखने को मिला है। श्रेयस अय्यर और स्मृति मंधाना की जगह युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और ऑलराउंडर अक्षर पटेल को शामिल किया गया है। हालांकि, जसप्रीत बुमराह और शुभमन गिल समेत टीम इंडिया के कई प्रमुख खिलाड़ी पहले की तरह इस सूची में बरकरार हैं। आरटीपी (ऋक्षक्क) में शामिल खिलाड़ियों को अपने ठिकाने की नियमित जानकारी देनी होती है और तय समय पर डोपिंग टेस्ट के लिए उपलब्ध रहना अनिवार्य होता है। पने ठिकाने की जानकारी देने में तीन बार विफल रहना डोपिंग का उल्लंघन माना जाता है। यही वजह है कि यह सूची खेल जगत में खास महत्व रखती है।

गिल, यशस्वी, हार्दिक, ऋषभ, बुमराह, केएल, अर्शदीप और तिलक पहले से ही शामिल– नाडा की आरटीपी की नवीनतम सूची में 348 खिलाड़ी शामिल हैं। टेस्ट और वनडे के कप्तान शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, हार्दिक पंड्या, ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल, अर्शदीप सिंह और तिलक वर्मा पहले की तरह इस सूची में बने रहेंगे। पिछले साल वनडे विश्व कप जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा तथा शैफाली वर्मा और रेणुका सिंह ठाकुर इस सूची में बनी हुई हैं।

नाडा की आरटीपी सूची में कुल 14 क्रिकेटर शामिल– कुल मिलाकर नाडा की इस सूची में 14 क्रिकेटरों को शामिल किया गया है। नाडा की इस सूची में सर्वाधिक खिलाड़ी एथलेटिक्स से जुड़े हुए हैं। पिछली बार इनकी संख्या 118 थी जो अब बढ़कर 134 हो गई है। इनमें स्टीपलचेज के एथलीट अविनाश साबले, बाधा दौड़ की धाविका ज्योति याराजी, डेकाथलॉन खिलाड़ी तेजस्विन शंकर और फर्राटा धावक अनिमेष कुजुर जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं।

धोनी को देखने के लिए करना होगा इंतजार

नई दिल्ली। वेंकट कृष्णा बी। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को खेलते देखने का इंतजार एक हफ्ते और बढ़ गया है। वह मुंबई इंडियंस के खिलाफ वानखेड़े में 23 अप्रैल को खेलते दिख सकते हैं। 44 साल के धोनी सीजन से पहले कैंप में पिंडली में खिंचाव से जूझ रहे हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के सूत्रों के

मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेलने की संभावना

अनुसार वह पूरी तरह से फिट होने के करीब हैं। चेन्नई सुपर किंग्स का अगला मैच सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हैदराबाद में है, लेकिन इस बात की कोई पुष्टि नहीं हुई है कि धोनी टीम के साथ यात्रा करेंगे या नहीं। आईपीएल 2026 की अंक तालिका में चेन्नई सुपर किंग्स 8वें नंबर पर है। वह पांच में से दो मैच जीती है। ऋतुराज गायकवाड़ की अगुआई वाली टीम लगातार तीन मैच हारी। इसके बाद उसने दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स को पिछले दो मैचों में हराया। चेन्नई सुपर किंग्स के घरेलू मैचों के दौरान भी धोनी होटल में ही रहते हैं। हालांकि, वह अभ्यास सत्र में दिखे हैं। थ्रोडाउन लेते हुए उन्हें कोई दिक्कत नहीं हुई है।

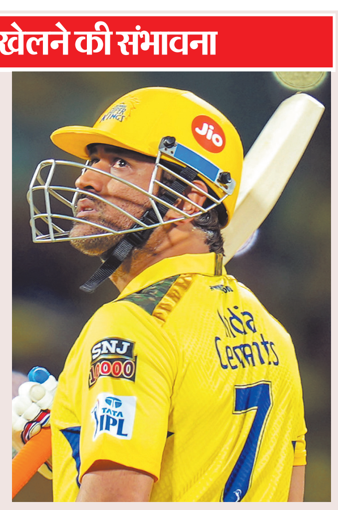

धोनी ने प्रमुख गेंदबाजों का सामना नहीं किया

चेन्नई सुपर किंग्स का पिछले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स से मुकाबला हुआ था। इस मैच से पहले अभ्यास सत्र में बल्लेबाजी कोच माइकल हसी की देखरेख में बल्लेबाजी की थी, लेकिन उन्होंने प्रमुख गेंदबाजों का सामना नहीं किया। उन्होंने चाइनामैन स्पिनर नूर अहमद के साथ समय बिताया। सीएसके के गेंदबाजी कोच श्रीधरन श्रीराम ने कहा, 'एमएस (धोनी) ने एक अभ्यास सत्र में उनसे लंबी बातचीत की और उनकी लेग ब्रेक को ठीक कराया।

प्लेइंग 11 में कैसे फिट होंगे धोनी

थ्रोडाउन लेते वक्त धोनी बगैर किसी दिक्कत के शॉट लगाते दिखे। दो मैच जीतने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स को धोनी को प्लेइंग 11 में फिट करने के लिए रास्ते तलाशने होंगे। चेन्नई सुपर किंग्स की बल्लेबाजी में गहराई नहीं है। गेंदबाज नंबर 8 पर खेल रहे हैं। धोनी को प्लेइंग 11 में सरफराज खान की जगह मौका मिल सकता है। सरफराज ने अच्छी बल्लेबाजी की है, लेकिन वह कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ तेजी से बल्लेबाजी करने में संघर्ष करते दिखे। उन्होंने 18 गेंद पर 23 रन बनाए। धोनी को इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खिलाने का भी विकल्प है।

स्वामी प्रकाशक मुद्रक पंकज सिंह भदौरिया द्वारा श्री बालाली प्रिंटर्स प्लाट नंबर 137, 138, 139 सेक्टर 01 स्पेशल इंडस्ट्रीयल एरिया गोविन्दपुरा भोपाल, मप्र से मुद्रित कर 432 सेक्टर बी सर्वधर्म कालोनी, कोलार दामखेड़ा हुजूर भोपाल 462042 मप्र से प्रकाशित। संपादक- पंकज सिंह भदौरिया। (सभी विवाद भोपाल न्यायालय में मान्य होंगे।)

लखनऊ में लगी भीषण आग की राख में मिली दो बच्चों की लाश, कई लापता

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ के विकास नगर में बुधवार की शाम लगी आग आठ घंटे की मशक्कत के बाद देर रात बुझा तो ली गई लेकिन कई अपनों की तलाश अब भी जारी है। इस बीच पुलिस ने आग बुझाने के बाद दो बच्चों की लाश बरामद की है। दोनों बच्चों की उम्र दो साल के आसपास बताई जा रही है। लगभग एक हजार झुग्गी झोपड़ियों में लगी आग से सबकुछ खाक हो गया है। सौ के करीब एलपीजी सिलेंडर और बाइकों की टंकियां फटने से आग भड़कती रही। इससे करीब दस किलोमीटर के इलाके में धुएं का गुबार देखा गया।

विकास नगर में मुंशीपुलिया से आगे सीतापुर बाईपास किनारे सैकड़ों झुग्गी झोपड़ियां लंबे समय से आबाद थीं। बस्ती के विशाल गौतम का दावा है कि शाम करीब चार बजे देशी शराब ठेके के बगल में बनी कैंटीन से आग की लपटें एकाएक उठीं और विकराल होने लगीं। उनके साथ ही पड़ोसी धर्मेंद्र, बबलू, विमलेश, राम स्वरूप, मंत्री, मो. आसिफ कुरैशी, रहमान, सुनीता और करन की झोपड़ियां जलने लगीं। लोगों ने पानी फेंककर काबू पाने का प्रयास किया पर सफलता नहीं मिली। इस बीच, झोपड़ियों में रखे गैस सिलेंडर ताबड़तोड़ धमाकों के साथ फटने लगे और पूरी बस्ती धू-धूकर जलने लगी। करीब डेढ़ घंटे बाद दमकल और पुलिस पहुंची। राहत व बचाव के लिए एसडीआरएफ और एनडीआरएफ भी पहुंच गए।

मौके पर कोई कह रहा था कि मेरा बच्चा गायब है तो कोई बेटी को खोज रहा था। किसी को पिता तो कोई भाई

को तलाश रहा था। पुलिस और सिविल डिफेंस के लोग उन्हें रोक रहे थे लेकिन कोई मानने को तैयार नहीं था। सिविल डिफेंस ने मानव श्रृंखला बनाकर लोगों को रोका। इस बीच, दम घोंटू धुएं से आसपास के लोग बेचैनी महसूस करने लगे। सभी अपने घरों को सुरक्षित करने की कोशिश में थे। बस्ती के लोग नम आंखों से अपने आशियाने राख होते देख रहे थे। देर रात तक कोहराम जैसी स्थिति बनी रही। फायर ब्रिगेड ने चारों तरफ से पानी डाल कर किसी तरह देर रात आग पर काबू पाया जा सका।

इसके बाद शुरू हुई तलाशी में दो बच्चों की लाश मिली है। डीसीपी पूर्वी दीक्षा शर्मा ने बताया आग पर काबू पा लिया गया था। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ अब भी राहत कार्य में लगी है। इस पूरी घटना में दो बच्चों की मौत हुई है। फोटो के जरिए उनके पैरेंट्स की पहचान कराई जा रही है।

कुछ लोगों को रात में रैन बसेरे में रखा गया तो काफी लोग सड़क किनारे ही खुले में रातभर रहे। सुबह होते ही लोग अपने बचे सामानों को बंटोरने और अपनों को खोजने में जुटे रहे। हालांकि भीषण आग में सबकुछ राख होने से खाने के भी लाले पड़ने की आशंका हो गई है। मनीष की चाची पूजा ने नम आंखों से बताया कि लपटें इतनी तेज थीं कि किसी को कुछ सोचने का मौका नहीं मिला। जैसे ही लोग जान बचाकर बाहर भागे, सिलेंडरों में धमाके शुरू हो गए।

संक्षिप्त समाचार

गाजियाबाद में 40 हजार गाड़ी मालिकों पर संकट

गाजियाबाद, एजेंसी। जिले में करीब 40 हजार दोपहिया और चारपहिया वाहन स्वामी को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। वजह यह है कि उनके वाहनों पर अब तक हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं लगी है। परिवहन विभाग की नई व्यवस्था के तहत बुधवार से एचएसआरपी के बिना अब प्रदूषण प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जा रहा। विभागीय आंकड़ों के अनुसार, बार-बार नोटिस और अपील के बावजूद हजारों वाहन स्वामियों ने एचएसआरपी नहीं लगवाई। अब जैसे ही पुराने पीयूसी की अवधि समाप्त होगी, वाहन स्वामियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। एआरटीओ प्रशासन अशोक श्रीवास्तव के अनुसार, केंद्र सरकार के निर्देशों के तहत एचएसआरपी सुरक्षा की दृष्टि से अनिवार्य है। उल्लंघन पर लगेगा 15 हजार का जुर्माना इससे वाहनों की पहचान आसान होती है और चोरी या अपराध में प्रयुक्त वाहनों की निगरानी में मदद मिलती है। इसी कारण पीयूसी को एचएसआरपी से जोड़ा गया है। नियम उल्लंघन पर 10 हजार रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है, जबकि बिना एचएसआरपी वाहन चलाने पर पांच हजार रुपये तक का दंड निर्धारित है। वहीं दोनों न होने पर 15 हजार का ठंड वाहन स्वामियों से वसूला जाएगा।

गाजियाबाद में गैस सिलेंडर की कालाबाजारी पर बड़ी कार्रवाई

गाजियाबाद, एजेंसी। मालीवाड़ा क्षेत्र में खाद आपूर्ति विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गैस सिलिंडरों की कालाबाजारी का पर्दाफाश किया है। जिला खाद्य एवं पूर्ति विभाग की टीम ने मालीवाड़ा चौक पर एक मकान के नीचे दुकान पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान अवैध रूप से रखे गए 18 घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलिंडरों जब्त किए हैं। बुधवार को जिला पूर्ति विभाग को सूचना मिली कि प्यारेलाल पार्क मालीवाड़ा चौक पर कूलर की दुकान में अवैध रूप से घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलिंडरों का भंडारण किया गया है। जिला पूर्ति अधिकारी अमित तिवारी ने विभागीय टीम गठित कर औचक निरीक्षण किया, जहां 14.2 किग्रा के नौ घरेलू, 19 किग्रा के आठ व्यावसायिक और पांच किग्रा का एक व्यावसायिक छोटू सिलिंडर समेत कुल 18 सिलिंडर जब्त किए गए। विभागीय टीम जब्त किए गए सिलिंडरों को सिहानी गेट कोतवाली ले आई। जब्त सिलिंडरों को कालाबाजारी के उद्देश्य से जमा किया गया था। जिला पूर्ति अधिकारी अमित तिवारी ने बताया कि यह दुकान अनिल गर्ग की बताई गई है, जिनसे इस संबंध में पुलिस द्वारा पूछताछ और मामले की जांच के साथ ही संबंधित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि कहा कि गैस सिलिंडरों की कालाबाजारी करने वालों की सूचना जिला पूर्ति विभाग और जिला प्रशासन को दें ताकि समय रहते ऐसे लोगों पर कार्रवाई की जा सके।

फरीदाबाद-बल्लभगढ़ में जाम से मिलेगी मुक्ति

बल्लभगढ़, एजेंसी। बस स्टैंड के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगने वाले जाम से छुटकारा दिलाने के लिए पुलिस प्रशासन भी कमर कस चुका है। डीसीपी बल्लभगढ़ प्रतीक अग्रवाल ने सोमवार को बस स्टैंड के आसपास का दौरा करके यहां लगने वाले जाम के कारणों को जाना था। जाम से निपटने के लिए अभी ठोस कार्ययोजना बनाई जानी है लेकिन फौरी तौर पर यह निर्णय लिया गया है कि राजमार्ग पर बनी सफेद पट्टी से बाहर जो भी वाहन खड़ा दिखाई देगा, उसका चालान काट दिया जाएगा। दरअसल, बस स्टैंड के सामने सब्जी मंडी भी है। यहां बल्लभगढ़ के अलावा दूर दराज से लोग सब्जी खरीदने के लिए आते हैं। वे अपने चार पहिया, दो पहिया वाहनों को राजमार्ग पर आड़ा तिरछा खड़ा कर देते हैं। इस कारण अन्य वाहन यहां फंस जाते हैं और यातायात बहुत धीमा हो जाता है। सुबह और शाम के वक्त तो यहां भीषण जाम की स्थिति बनी जाती है। सब्जी मंडी में आने वाले वाहनों को ठीक से पार्क करने के लिए सफेद पट्टी का सहारा लिया जाएगा। राजमार्ग प्राधिकरण को बोला गया है कि वह स्पष्ट दिखने वाली सफेद पट्टी लगाए। इसके बाद पुलिस प्रशासन चेतावनी बोर्ड लगाएगा, ताकि वाहन चालक स्वयं ही अपने वाहन सफेद पट्टी के अंदर खड़ा करें।

गुरुग्राम में झुग्गी माफिया सक्रिय, सरकारी जमीन पर कब्जा कर अवैध वसूली का धंधा

गुरुग्राम, एजेंसी। शहर में कई जगहों पर झुग्गी माफिया सक्रिय हैं। माफिया ने अलग-अलग जगहों पर खाली पड़ी सरकारी जमीनों पर कब्जा कर वहां सैकड़ों झुग्गियां तो बसाई ही, साथ ही दूसरे राज्यों से आने वाले लोगों को यहां झुग्गी देकर उनसे अवैध वसूली भी की जा रही है। गुरुग्राम पुलिस ने बीते तीन महीनों में बड़ी संख्या में शहर के झुग्गी माफिया को चिह्नित किया है। इनके खिलाफ लगातार कार्रवाई अभियान भी चलाए जा रहे हैं। शहर में कई सालों से सेक्टर 70, नखड़ौला, नाथूपुर, सिलोखरा, मानेसर, बादशाहपुर, सिकंदरपुर, सेक्टर 56, सेक्टर 37, तिगरा, वजीराबाद समेत अन्य जगहों पर झुग्गी माफिया सक्रिय हैं। इस अवैध काम में झुग्गी माफिया के साथ इलाकों के कुछ राजनीतिक रसूखदारों का भी हाथ रहता है। गुरुग्राम में अलग-अलग जगहों की सरकारी जमीनों पर हजारों की संख्या में झुग्गियां बसी हुईं हैं। झुग्गी माफिया रहने के लिए इन झुग्गियों को ढाई से तीन हजार रुपये और व्यापार करने के लिए दस हजार रुपये किराये पर देते हैं। यहां पर बिहार, बंगाल, असम, मिजोरम, ओडिशा समेत अन्य पूर्वोत्तर राज्यों के लोग चोरी छिपे रहते हैं। न तो इनका वेरिफिकेशन होता है और न ही इनके पास कोई कागजात। ज्यादा समय तक रहने वाले लोगों ने फर्जी आधार कार्ड बनवा रखे हैं। कई बार पुलिस की कार्रवाई में ऐसे लोग पकड़े जा चुके हैं। वहीं शराब, गांजा, चरस की तस्करी भी कई लोग इन झुग्गियों से करते हैं।

आंध्र में सुबह-सुबह भीषण सड़क हादसा, ट्रक से टकरा गई बोलेरो गाड़ी; तीर्थ करने जा रहे 8 लोगों की मौत

कुरनूल , एजेंसी। दक्षिणी राज्य आंध्र प्रदेश में गुरुवार सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया है। यहां कुरनूल जिले के चिलकलाडोना के पास एक बोलेरो गाड़ी की लॉरी से टक्कर हो गई। हादसे में कम से कम 8 लोगों के मारे जाने की खबर है। जानकारी के मुताबिक ये लोग तीर्थयात्रा के लिए निकले थे। हादसे में कई लोग घायल भी हुए हैं। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई है। कुरनूल पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पाँच पीड़ितों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई, जबकि तीन अन्य ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। दुर्घटना में लगभग 10 से 12 लोग घायल भी हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि घायलों को तुरंत इलाज के लिए एम्मिगनूर अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने आगे बताया कि मृतकों की पहचान कर्नाटक के चिक्कमगलुरु क्षेत्र के तीर्थयात्रियों के रूप में हुई है। हादसे के बाद का एक वीडियो भी सामने आया है। इस हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी दुख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए सहायता राशि देने की घोषणा की है। पीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में हुई दुर्घटना अत्यंत दुखद है। मैं उन लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने इस हादसे में अपने प्रियजनों को खो दिया, और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। पीएम ने आगे लिखा कि क्क्र्स्ह्त्र्स्न की ओर से, हर मृतक के निकटतम परिजन को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। वहीं घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

नोएडा में रची गई थी खतरनाक साजिश, पकड़े गए 66 में से 45 की जांच में चौंकाने वाला खुलासा

नोएडा , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के नोएडा में श्रमिक आंदोलन की आड़ में अराजकता फैलाने की साजिश को योगी सरकार ने कुछ ही घंटों में सख्ती और सूझबूझ के साथ नाकाम कर दिया। एसटीएफ और पुलिस की जांच में यह मामला श्रमिक असंतोष का नहीं, बल्कि इसके पीछे एक सुनियोजित साजिश थी, जिसमें कुछ संदिग्ध राजनीतिक विचारधारा के दलों की भूमिका सामने आई है। उच्च स्तरीय सूत्रों के मुताबिक, जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। कुल 66 गिरफ्तारियों में से 45 लोग ऐसे हैं, जो वास्तविक श्रमिक नहीं थे। आगजनी की घटना में चिन्हित 17 में से 11 को गिरफ्तार किया गया, जिनमें 8 गैर-श्रमिक हैं।

वहीं भड़काने के आरोप में 32 लोगों की पहचान हुई, जिनमें से 19 को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा 34 ऐसे लोगों को भी पकड़ा गया है, जो श्रमिक नहीं होते हुए भी कथित आंदोलन में शामिल होकर माहौल बिगाड़ने का प्रयास कर रहे थे। साजिश रचने के आरोप में 4 लोगों की गिरफ्तारी भी हुई है, जिनके कथित तौर पर कुछ संगठित नेटवर्क से जुड़े होने की बात सामने आई है। अब तक गिरफ्तार हुए लोग संदिग्ध विचारधारा वाले राजनीतिक संगठनों से जुड़े बताए जा रहे हैं।

उच्च स्तरीय सूत्रों ने बताया कि नोएडा के आर्थिक ढांचे को बर्बाद करने की एक घिनौनी, सुनियोजित और बड़े पैमाने की साजिश रची गई थी, जिसमें कुछ

राजनीतिक दलों का पूरा इकोसिस्टम खुलकर शामिल था। ये पार्टियां मिलकर यूपी की प्रगति को कुचलने और नोएडा जैसे आर्थिक हब को आग में झोंकने की कुटिल चाल चल रही थीं। सूत्रों ने बताया कि आंदोलन के झूठे मुखौटे के पीछे छिपे चार दर्जन से ज्यादा यादव और मुस्लिम व्यक्ति पकड़े गए हैं, जो कुछ राजनीतिक दलों के एजेंडे के तहत अराजकता फैलाने, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और पूरे इलाके को आर्थिक रूप से लूटने की तैयारी में थे। ये तत्व न सिर्फ नोएडा की विकास यात्रा को रोकना चाहते थे, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को पटरी से उतारकर सत्ता के खेल में अपना स्वार्थ साधना चाहते थे। उच्चस्तरीय सूत्रों ने बताया कि इतना ही नहीं, बंगाल, बिहार, यूपी समेत देश के अलग-अलग कोनों से आई कुछ महिलाएं भी इस साजिश में सक्रिय रूप से शामिल पाई गई हैं, जिनकी भूमिका बेहद संदिग्ध और खतरनाक है। ये हिंसक प्रदर्शन में शामिल लोगों की मदद कर रही थीं। इनका मकसद अराजकता भड़का कर नोएडा को आग के हवाले कर देना था। यह पूरा खेल न सिर्फ एक राजनीतिक साजिश था, बल्कि देश की आर्थिक रीढ़ को तोड़ने का देशद्रोही षड्यंत्र था, जिसे पुलिस ने समय रहते नाकाम कर दिया। उच्च स्तरीय सूत्रों के मुताबिक, इस पूरे घटनाक्रम में कुछ संदिग्ध सोशल मीडिया हैंडल्स और बाहरी राज्यों से आए तत्वों की भी भूमिका जांच के दायरे में है। सोशल मीडिया पर इस पूरे मामले को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत कर माहौल को भड़काने का प्रयास किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए स्थिति को नियंत्रित किया। श्रमिकों के हित में वेतन वृद्धि की घोषणा के बाद मजदूरों और फैक्ट्री मालिकों ने सहयोग किया, जिसके परिणामस्वरूप नोएडा में औद्योगिक गतिविधियां तेजी से सामान्य हो गई हैं और तमाम फैक्ट्रियों में कामकाज सामान्य तरीके से संचालित हो रहा है। सरकार की त्वरित कार्रवाई का असर यह रहा कि जहां अन्य राज्यों में ऐसे विवादों के कारण उद्योग प्रभावित हुए हैं, वहीं उत्तर प्रदेश में स्थिति शीघ्र सामान्य हो गई।

परिसीमन पर कविता की केंद्र को चेतावनी, कहा-तेलंगाना का प्रतिनिधित्व कम हुआ तो सड़कों पर उतरेगी जनता

हैदराबाद , एजेंसी। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष कलवकुंतला कविता प्रस्तावित नई राजनीतिक पार्टी के लॉन्च से पहले धार्मिक आस्था के तहत वाराणसी के लिए रवाना हुईं। वह उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगी। इसे उनके राजनीतिक सफर के एक अहम चरण से पहले आध्यात्मिक शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। रवाना होने से पहले हैदराबाद में मीडिया से बातचीत करते हुए कविता ने महिला आरक्षण बिल और प्रस्तावित परिसीमन (डिलिमिटेशन) को लेकर केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में संसद में तेलंगाना का प्रतिनिधित्व लगभग 3.13 प्रतिशत है और परिसीमन के बाद भी यही प्रतिशत राज्य के लिए आधार रेखा (बेसलाइन) होना चाहिए। उनके अनुसार, यदि यह हिस्सा कम किया जाता है तो राज्य के लोगों में असंतोष बढ़ेगा और वे विरोध के लिए सड़कों पर उतर सकते हैं। कविता ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित 50 प्रतिशत सीट वृद्धि के मॉडल पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पहली नजर में यह प्रस्ताव उचित लगता है लेकिन जब अन्य राज्यों के मुकाबले तेलंगाना को मिलने वाली हिस्सेदारी का आकलन किया जाता है, तो अंतर काफी बड़ा नजर आता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दक्षिण भारतीय राज्यों के साथ किसी भी प्रकार का असंतुलन स्वीकार्य नहीं होगा और निष्पक्ष प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

महिला आरक्षण बिल को परिसीमन से जोड़ने के

मुद्दे पर भी उन्होंने कड़ा विरोध जताया। कविता ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि केंद्र सरकार दोनों मुद्दों को आपस में जोड़ रही है, जबकि महिला आरक्षण को स्वतंत्र रूप से लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि इसे अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण से जोड़ा जाए ताकि महिलाओं के भीतर भी सामाजिक न्याय सुनिश्चित हो सके। कविता ने महिला आरक्षण में पिछड़ा वर्ग आरक्षण महिलाओं के लिए उप-कोटा की जोरदार वकालत की। उन्होंने कहा कि 33 प्रतिशत आरक्षण के भीतर पिछड़ा वर्ग आरक्षण महिलाओं को उनका उचित हिस्सा मिलना बेहद जरूरी है। उनके मुताबिक, मौजूदा स्थिति में इन विधेयकों को लेकर भ्रम बना हुआ है लेकिन सरकार को स्पष्ट नीति बनाते हुए सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखना चाहिए।

बंगाल में बाबरी मस्जिद बनाने से कोई नहीं रोक सकता, चुनाव के बीच हुमायूं कबीर ने भरी हुंकार

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद बनवा रहे तृणमूल कांग्रेस के सस्पेंडेड विधायक और आम जनता उन्न्यन पार्टी के फाउंडर हुमायूं कबीर ने हुंकार भरी है। उन्होंने कहा है कि बंगाल में बाबरी मस्जिद बनाने से कोई उन्हें नहीं रोक सकता। हुमायूं ने जब बाबरी मस्जिद बनाने का ऐलान किया था, तो राज्य में विवाद छिड़ गया था। ममता बनर्जी की पार्टी से उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया गया, जिसके बाद उन्होंने नया दल बनाया और अब बंगाल चुनाव में उनकी नजर राज्य के मुस्लिम वोटरों पर है। यहां तक कि भवानीपुर में उन्होंने ममता के खिलाफ मुस्लिम उम्मीदवार भी खड़ा किया है। एनडीटीवी से बात करते हुए हुमायूं कबीर से पूछा गया कि वे पश्चिम बंगाल में क्यों बाबरी मस्जिद बनवा रहे, यूपी में क्यों नहीं तो इस पर उन्होंने जवाब दिया कि जब 1992 में मस्जिद गिरी तब उसे कोई नहीं रोक सका था, लेकिन बंगाल में 37 फीसदी आबादी मुस्लिम है। मुर्शिदाबाद में तो यह आंकड़ा 70 फीसदी से ज्यादा है। यहीं बेलडांगा में बाबरी मस्जिद की तरह मस्जिद बनाई जा रही है। कबीर ने कहा कि मस्जिद बनने की समय सीमा दो साल ठेकेदार की तरफ से दी गई है। इसे रोकने की हिम्मत किसी में भी नहीं है। मैं अपना वादा पूरा करूंगा। कबीर ने कहा, ''बंगाल में 294 सीटें हैं, इसमें से 100 सीटों पर मुस्लिम अहम रोल निभाते हैं। बाकी 194 का क्या? टीएमसी कई मंदिर बना रही है और दुर्गा पूजा पर

लाखों रुपये दे रही। ऐसे में हिंदू उन्हें वोट क्यों नहीं देंगे। मेरा मानना है कि मुसलमानों को किसी मुस्लिम को ही वोट देना चाहिए।'' उन्होंने राहुल गांधी और अभिषेक बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों साथ चाय पीते हैं और बंगाल में लोगों को बेवकूफ बनाने की कोशिश करते हैं। लेकिन पार्टी पर निशाना भी साधा। उन्होंने कहा कि ओवैसी ने बंगाल में एआईएमआईएम का प्रमुख इमरान सोलंकी को बनाया है और एडवोकेट आदिल हसन को ऑब्जर्वर बनाया हुआ है। दोनों ही चोर हैं और टीएमसी के साथ मिलकर पैसे कमाने की कोशिश में लगे हुए हैं। पिछले दिनों आए एक स्टिंग ऑपरेशन में तृणमूल कांग्रेस ने हुमायूं पर भाजपा के साथ मिलकर हजार करोड़ रुपये की डील करने का आरोप लगाया था।

नोएडा मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की चेतावनी

वर्करों के अधिकार, गरिमा और सुरक्षा से कोई समझौता नहीं

नोएडा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि श्रमिकों के अधिकारों, गरिमा और सामाजिक सुरक्षा के मामले में कोई समझौता नहीं किया जाएगा। साथ ही किसी भी उल्लंघन के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी। नोएडा में श्रमिकों के हंगामे का संज्ञान लेते हुए सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे उन गैर-श्रमिक तत्वों की पहचान करें और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करें जो अशांति भड़काते पाए जाएं।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राज्य की औद्योगिक स्थिति की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे यह सुनिश्चित करें कि हर श्रमिक को काम करने के लिए गरिमापूर्ण माहौल, समय पर पूरा वेतन और सभी वैधानिक लाभ मिलें।

गैर-श्रमिक तत्वों पर कार्रवाई करें

गौतम बुद्ध नगर में श्रमिकों के हंगामे का गंभीर संज्ञान लेते हुए योगी ने अधिकारियों

को निर्देश दिया कि वे उन गैर-श्रमिक तत्वों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करें जो अशांति भड़काते पाए जाएं या औद्योगिक सौहार्द को बिगाड़ रहे हों। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि ऐसे तत्वों का पर्दाफाश किया जाए। यदि जरूरी हो तो उनकी फोटो सार्वजनिक स्थानों पर लगाई जाएं। मुख्यमंत्री ने उन संगठनों या व्यक्तियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति पर जोर दिया जो मजदूरों को भड़काते हैं, अफवाहें फैलाते हैं या गलत जानकारी फैलाने वाले अभियानों में शामिल होते हैं।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की लगातार निगरानी करने और गलत जानकारी या प्रोपेगैंडा फैलाने वालों के खिलाफ तुरंत कानूनी कार्रवाई करने का आदेश दिया। मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी सोमवार को नोएडा में मजदूरों के बड़े पैमाने पर हुए प्रदर्शनों के बाद आई है। नोएडा में इस विवाद के मद्देनजर सीएम योगी ने इंफ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिक विकास आयुक्त तथा श्रम विभाग की देखरेख में पूरे राज्य में ऐसी सभी एजेंसियों की गहन जांच के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जांच में कामगारों की वास्तविक संख्या, औद्योगिक इकाइयों से प्राप्त भुगतान, कामगारों को दी गई मजदूरी, ईएसआई, बीमा तथा अन्य लाभों जैसे प्रावधानों के पालन की पुष्टि की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि सभी औद्योगिक इकाइयां कामगारों की शिकायतों के पारदर्शी और समय-सीमा के भीतर समाधान को सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी शिकायत निवारण प्रकोष्ठ स्थापित करें। उन्होंने कार्यस्थल पर गुणवत्तापूर्ण मेस (भोजन) की व्यवस्था सहित बेहतर सुविधाओं पर जोर दिया। सीएम योगी ने उद्योग विकास प्राधिकरणों को औद्योगिक क्षेत्रों में कामगारों के लिए छात्रावास और किफायती आवास योजनाएं बनाने की एक योजना तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विकास प्राधिकरणों को केवल राजस्व जुटाने तक ही सीमित न रहकर अपने सामाजिक दायित्वों का भी निर्वहन करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने बैंकों के साथ तालमेल पर भी जोर दिया, ताकि मजदूरों को बीमा कवरेज मिल सके।

मेरे बयानों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया, विदाई समारोह में छलका जस्टिस शेखर का दर्द

इलाहाबाद , एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट के चर्चित जस्टिस शेखर कुमार यादव बुधवार को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इस अवसर पर उनके सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में उन्होंने अपने कार्यकाल, विवादों और न्यायिक मुद्दों पर खुलकर बात की। इस दौरान उन्होनें खासतौर से उस बयान का भी जिक्र किया, जो विश्व हिंदू परिषद के एक कार्यक्रम में दिया था। जोकि बाद में काफी विवादों में रहा। विवाद का जिक्र करते हुए जस्टिस यादव ने कहा कि उनके बयान को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया था। इस पर उन्होंने स्पष्ट कहा कि मेरा कोई दोष नहीं था। गलती उन लोगों की थी, जिन्होंने बात को तोड़ मरोड़ कर पेश किया। इस दौरान उन्होंने बार एसोसिएशन के वकीलों द्वारा मिले समर्थन का आभार भी जताया। उन्होंने कहा कि अगर उस समय उन वकीलों का साथ नहीं मिलता, तो वह मानसिक रूप से टूट जाते। आपको बता दें कि, दिसंबर, 2024 को विश्व हिंदू परिषद के एक कार्यक्रम में उनके भाषण दिया था। इसमें उनके बयान को लेकर काफी विवाद हुआ था। अपने भाषण में उन्होंने देश की मौजूदा व्यवस्था, बहुसंख्यक समाज, समान नागरिक संहिता जैसे मुख्य मुद्दों पर अपनी राय रखी थी। इसकी बाद में काफी आलोचना भी हुई थी। अपने विदाई समारोह में जस्टिस यादव ने अपने कार्यकाल के दौरान की निष्पक्षता का भी बचाव किया। उन्होनें वकीलों से कहा, कि अदालत में कभी भी उन्होंने किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं किया। जस्टिस यादव ने युवा वकीलों को खास सलाह देते हुए बताया कि वकालत के पेशे में आचरण और व्यवहार बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि अदालत में विनम्रता, सम्मान बहुत जरूरी है। उनके अनुसार, कई बार केस की मजबूती होने के साथ वकील का व्यवहार भी परिणाम को प्रभावित कर सकता है। अपने भाषण में जस्टिस यादव ने चिंता जताई कि आज अदालतों में सीनियर वकीलों के लिए सम्मान भाव कम होता जा रहा है।